Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 30 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में बैठक

■ **नागरिकों की सुरक्षा और उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए के निर्देश**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे उत्पन्न हालात की समीक्षा के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने नागरिकों और भारतीय समुदाय के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम तेज़ी से लागू करने तथा सभी घटनाक्रमों की नियमित निगरानी के लिए एकीकृत और समन्वित व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। यह पश्चिम एशिया संकट पर सीसीएस की चौथी विशेष बैठक थी।

बैठक में कैबिनेट सचिव ने मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि एलएनजी, एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एलपीजी आयात के स्रोतों में पहले ही विविधता लाई जा चुकी है तथा प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार और आपूर्ति की स्थिति पर्याप्त बनी हुई है। कच्चे तेल की उपलब्धता के कारण केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की रिफाइनरियां 100त्न से अधिक क्षमता पर संचालन कर रही हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल और अन्य उत्पादों का उत्पादन लगातार जारी है। सरकार ने बताया कि पीएनजी कनेक्शन के विस्तार के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही, राष्ट्रीय गैस ग्रिड के विस्तार, एलएनजी आयात एवं री-गैसीफिकेशन अवसंरचना, शहर गैस वितरण नेटवर्क और पाइपलाइन अवसंरचना को मजबूत करने पर भी काम जारी है। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए सौर ऊर्जा और अन्य गैर-जीवाश्म आधारित नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर विशेष जोर दिया। बैठक में आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आवश्यकता का भी आकलन किया गया तथा वैकल्पिक स्रोतों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सीसीएस की बैठक में संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय और विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर तैनात नाविकों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने नाविकों और उनके परिवारों को समय पर जानकारी, आपातकालीन सहायता और परामर्श उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था स्थापित करने का निर्देश दिया।

महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़ ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने : मुख्यमंत्री साय

■ **केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल की पहल पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक**

रायपुर (विश्व परिवार)। महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों।

अमित शाह ने राष्ट्रपति के साथ बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ किया संवाद

■ **राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा में पहुँचे बस्तरवासी**

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के साथ बस्तर की सामाजिक परंपराओं के प्रमुख मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ संवाद किया।

X पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा, 'आज राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के साथ बस्तर की सामाजिक परंपराओं के प्रमुख मांझी-चालकी और बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ संवाद किया। राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा में पहुँचे बस्तरवासी इस बात के प्रमाण हैं कि जो बस्तर कभी नक्सली हिंसा के कारण अपनी समृद्ध विरासत, संस्कृति और परंपराओं को खोता जा रहा था, वह आज नक्सलमुक्त होकर अपनी धरोहरों को सहेज रहा है। विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका बस्तर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित संभाग बनकर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।'

राष्ट्रपति भवन के विशेष अतिथि बने बस्तर के मांझी-चालकी

■ **बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं और जनजातीय प्रतिनिधियों का हुआ विशेष सम्मान**

रायपुर (विश्व परिवार)। बस्तर की लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं और सामाजिक नेतृत्व की गौरवशाली विरासत ने आज राष्ट्रपति भवन में इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा में अत्यंत दुर्लभ और आत्मीय दृश्य तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर उनका सम्मान किया। राष्ट्रपति की इस सहज आत्मीयता ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया।

प्रतिनिधिमंडल में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के प्रतिनिधि, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकार, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था,

छत्तीसगढ़ में बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

■ **मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख रेल परियोजनाओं को गति देने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से की विस्तृत चर्चा**

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है।

बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल (स्क्छ्) का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं - सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) - को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर संभाग
रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान पर निकाली गयी स्वच्छता जनजागरूकता रैली

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर एवं नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन 5 जोन अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल एवं जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के मार्गदर्शन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप वर्मा की उपस्थिति में एवं नगर पालिक निगम जोन 7 क्षेत्र के अंतर्गत जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा एवं जोन 7 जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्राही के मार्गदर्शन एवं जोन स्वास्थ्य

अधिकारी श्री आत्मानंद साहू की उपस्थिति में एवं नगर पालिक निगम जोन 8 क्षेत्र के अंतर्गत जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर एवं जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के मार्गदर्शन एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर के सम्बंधित जोन 5,7,8 के जोन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजनों के साथ मिलकर सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाते हुए विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गो में स्वच्छता जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजनों के साथ उत्साहपूर्वक सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाते हुए स्वच्छता का सकारात्मक संदेश जन - जन को दिया.

जनजागरूकता रैली के माध्यम से नागरिकों को कचरे का पृथक्करण, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता, जलभराव की रोकथाम तथा वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक बनाया गया.

जनजागरूकता अभियान का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना , स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना तथा जनसहभागिता के माध्यम से स्वच्छ रायपुर के संकल्प को साकार स्वरूप देना रहा.

जनजागरूकता अभियान के दौरान समस्त उपस्थितजनों द्वारा अपने घर, मोहल्ले एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने तथा अन्य नागरिकों को इस हेतु प्रेरित करने का सामूहिक स्वच्छता संकल्प लिया गया.

महापौर के नेतृत्व में एमआईसी सदस्य, जोन अध्यक्ष सहित पार्षदों ने की उपमुख्यमंत्री से मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम में सत्ता पक्ष भारतीय जनता पार्टी पार्षद दल के , नगर निगम रायपुर के समस्त पार्षदों ने महापौर श्रीमती मीनल चौबे के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साव से सौजन्य भेंट कर राजधानी रायपुर शहर में विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत एवं संचालित विकास कार्यों के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हुये उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक के दौरान महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर नगर निगम में जोन स्तर पर आयोजित बैठकों का उल्लेख करते हुए शहर में जलभराव एवं पेयजल व्यवस्था से संबंधित वार्ड स्तरीय आवश्यक कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने तत्काल सहमति व्यक्त करते हुए लगभग 10 करोड़ रूपये तक के आवश्यक विभागीय कार्य प्रस्ताव रायपुर नगर निगम में अविलम्ब तैयार कर उन्हें राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को तात्कालिक स्वीकृति प्रदान करने के लिए प्रशासनिक तौर पर भेजने के निर्देश दिए.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे के रायपुर नगर निगम को अतिरिक्त राशि देने तत्काल लगभग 10 करोड़ की राशि स्वीकृत करने प्रमुख रूप से स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्रमांक 44 में अम्बा मन्दिर एवं गद्दा लाईन के पास नाली निर्माण कार्य, भक्त माता कर्मा वार्ड क्रमांक 67 में कराके बार से कुशालपुर चौक तक नाली निर्माण कार्य, शहीद पंकज विक्रम वार्ड क्रमांक 58 में देवी लक्ष्मी हॉस्पिटल के पास नाली निर्माण कार्य, पण्डित मोतीलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 9 में श्मशानघाट में शेड निर्माण कार्य, रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 49 में श्रीराम मन्दिर के पास नाला निर्माण कार्य एवं अन्य वार्डो में विकास कार्यों हेतु नगर निगम रायपुर में तत्काल विभागीय कार्य प्रस्ताव बनाकर राशि स्वीकृति हेतु राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को भेजने चर्चा में सहमति व्यक्त की गयी।

नवनियुक्त एल्डरमेन ने ली पद व गोपनीयता की शपथ

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका परिषद कवर्धा में आज मनोनित पार्षदगणों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां सभी मनोनीत पार्षद (एल्डरमेन) ने कवर्धा अनुविभागीय अधिकारी की उपस्थिति में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने जनहित को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। जनप्रतिनिधियों ने नगर के विकास, सुशासन और जनसेवा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नगर पालिका परिषद कवर्धा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मनोनीत पार्षदगणों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय माहौल में नगर पालिका परिषद कवर्धा में आयोजित किया गया। समारोह में नवनियुक्त एल्डरमैनों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर नगर के विकास, सुशासन और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में एसडीएम एवं पीठासीन

अधिकारी चेतन साहू ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

शासन से नियुक्त हुए 5 एल्डरमेन

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर का आदेश क्रमांक ळम्छै.2101ध्4792ध्2026.¬। क् नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 02.07.2026 के तहत नगर पालिका परिषद कवर्धा में एल्डरमेनों की नियुक्ति की गई है जिसमें राजेन्द्र सलूजा, मधु तिवारी, शिवकुमारी यादव, निशा साहू, संतोष भारती का नाम शामिल है। सभी पांच एल्डरमेनों को आज पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी के साथ-साथ नगर पालिका अध्यक्ष चंदप्रकाश चंद्रवंशी, जिला भाजपा के कोषाध्यक्ष विक्की अग्रवाल, शहर भाजपा महिला मंडल की अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, नगर पालिका उपाध्यक्ष, पार्षदगण, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधिगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33936/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33936
वार्ड का नाम-20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00459** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PILIYA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MEGHNATH DEWANGAN (M.N TAILOR)** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RANJITA BAGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **INDRA KUMAR BAGHEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33815/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33815
वार्ड का नाम-20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802C00761** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMINI CHANDESWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHOMLAL CHANDESHWAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAND KUMARI SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVKUMAR SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33597/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33597
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652J00118** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHISH UPADHYAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAILASH UPADHYAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANJANI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **YUVRAJ SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33819/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 29-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33819
वार्ड का नाम-29 - गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 29 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334E00561** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRASANN KUMAR PANDIYA** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. SAJORAM PANDIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सैय्यद अब्दुल वहीद** पिता/पति श्री/श्रीमती **अब्दुल हमीद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33755/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 27-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33755
वार्ड का नाम-26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00740** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NARAYAN PRASAD JANDHAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BUDDHURAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RADHIKA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SUKHNANDAN DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33932/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33932
वार्ड का नाम-27- इंदिर गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220K00005** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JEEVAN LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कमलेश जंघेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री तोषक प्रसाद बघेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33913/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33913
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR221A00440** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMLESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAMBHU DAYAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री विजय कुमार पारिक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री सत्यनारायण** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./33909/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33909
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR225A00192** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MESSERRSE CHHABRA TRADERS BALBEER SINGH CHHABRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती प्रभजीत कौर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री कीर्ति माखिजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33694/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 29-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33694
वार्ड का नाम-51- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 51 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446T0503A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. PRABHULAL VYAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **R. D. PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मयंक अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सुरेन्द्र अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33717/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 29-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33717
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226Z00635** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AVINASH PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **R. D. PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रूखमणि प्राणिग्राही** पिता/पति, श्री/श्रीमती **झबलू राम प्राणिग्राही** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./33933/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33933
वार्ड का नाम-60 शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652A00235** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VARSHA SUNDRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DIPAK SUNDRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HAFIZ MOHAMMAD RIZWAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MOHAMMAD BASHIRUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./33934/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33934
वार्ड का नाम-60 शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F01514** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHREYA TRIPATHI W/O ASHUTOSH TRIPATHI, POWER OF AUTORNEY ASHUTOSH TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE VIRENDRA KUMAR TRIPATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHRAVAN KUMAR S/O PRAHLAD 2. SUNIL KUMAR S/O PRAHLAD 3. LAXMAN KUMAR S/O PRAHLAD** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O PRAHLAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./33919/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33919
वार्ड का नाम-60 शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G0132A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MOHAMMAD SHAKIL MALIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL ZABBAR MALIK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. IMRAN SUFIYAN MIRJA S/O SUFIYAN MIRJA 2. SURAIYA SUFIYAN MIRJA W/O ASRAF MOHAMMAD** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ASRAF MOHAMMAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./33931/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33931
वार्ड का नाम-60 शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652D00208** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJIV KASHYAP** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.R. KASHYAP** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. ATUL BAIS S/O LT. BULAKI LAL BAIS 2. ASHISH BAIS S/O LT. BULAKI LAL BAIS** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LT. BULAKI LAL BAIS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33606/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33606
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870I00223** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARUNA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NISHITH KANT TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SONAM VIKAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NIRAJ KUMAR ROY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33823/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 29-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33823
वार्ड का नाम- 69 - माधव राव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B0333A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIRMALA GIREPUNJE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LIKENDRA GIREPUNJE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. OMESHWARI CHIKHALE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI BHAGVAT CHIKHALE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33754/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 29-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33754
वार्ड का नाम- 69 - माधव राव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00578** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARENDRA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM KISHAN VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LATA NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHOLARAM NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /33818/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 30-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33818
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802C00252** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. DOGENDRA KUMAR SAHU 2. YOGESH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREMLAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAYA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LUKESH KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

पढ़ाई छोड़ चुकी युवतियों / महिलाओं के लिए महाविद्यालयीन उच्च शिक्षा बिल्कुल नि:शुल्क दी जावेगी - विजयराज अग्रवाल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-महिला सशक्तिकरण और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अत्यंत सराहनीय निर्णय लिया गया है। संस्था सरगुजा ज्ञानोदय एसोसिएशन के संचालक विजयराज अग्रवाल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उन सभी महिलाओं और छात्राओं के लिये उच्च शिक्षा व कम्प्युटर कोर्सेस पूरी तरह नि:शुल्क करने की घोषणा की गई है, जिन्होने किसी कारणवश बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। इस पहल के तहत् ड्रापआउट महिलायें बिना कोई फीस दिये वी. के. एम. परिसर (जयनगर पुलिस थाना के सामने) में कालेज की डिग्री और प्रोफेशनल डिप्लोमा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकेगी। संस्था का मुख्य उ?द्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को आधुनिक रोजगार के अवसरों से जोड़ना और उन्हे तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। वी.के.एम.परिसर में बी.ए., बी.कॉम, डी.सी.ए., बी.सी.ए एवं पी.जी.डी.सी.ए. कोर्स में प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। चयनित महिलाओं से ट्युशन फीस 'के नाम पर कोई शुल्क नहीं लिया जावेगा। गृहिणी और कामकाजी महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष कक्षाओं के संचालन पर भी विचार किया जा रहा है। कोर्स पूरा होने के पश्चात संस्था द्वारा महिलाओं को कम्प्युटर आपरेटर, अकाउंटेन्ट सेक्टर में प्लेसमेंट देने के लिये भी सहायता दी जावेगी। विजयराज अग्रवाल ने आगे बताया कि इस अनूठी पहल से क्षेत्र की ड्रापआउट महिलाओं को दोबारा, पढ़ाई शुरू करने और अपने पैरो पर खड़े होने का सुनहरा अवसर मिलेगा। बी.ए., बी. कॉम, डी.सी.ए, और बी.सी.ए कोर्स के लिये न्युनतम शैक्षणिक योग्यता 12 वी और पी.जी.डी.सी.ए. कोर्स में प्रवेश हेतु महिलाओं का स्नात्तक होना अनिवार्य है। उक्त कोर्सेस में प्रवेश हेतु वी.के.एम. परिसर में हेल्प डेस्क卐 बनाया गया है, इच्छुक महिलायें आगामी 15 अगस्त 2026 से पूर्व प्रवेश ले सकती हैं, पहले आओ और पहले पहले पाओ की तर्ज पर सीट पूर्ण होने के पश्चात प्रवेश प्रक्रिया समाप्त कर दी जावेगी। विजयराज अग्रवाल ने आगे बताया कि उनका उ?द्देश्य महिलाओं में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना और बाल विवाह पर रोक लगाना है। पढ़ाई छोड़ चुकी बालिकाओं के अभिभावकों के द्वारा परिपक्व आयु पूर्ण होनें से पूर्व बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता है, जिस पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने की दिशा में वो कार्य कर रहे हैं।

पुलिसिया कसावट को ले कर सूरजपुर पुलिस कप्तान योगेश पटेल ने पुलिस महकमा में किया व्यापक फेर बदल

विश्रामपुर पुलिस थाना के प्रभारी रूपेश कुंतल बने

क्र0	पदनाम	नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1	निरीक्षक	अलरिक लकड़ा	र.के. सूरजपुर	थाना प्रभारी सूरजपुर
2	निरीक्षक	फर्दीनंद कुजूर	र.के. सूरजपुर	थाना प्रभारी अजाक.
3	निरीक्षक	रूपेश कुंतल एक्का	र.के. सूरजपुर	थाना प्रभारी विश्रामपुर
4	उपनिरी0	प्रदीप सिदार	र.के. सूरजपुर	थाना प्रभारी प्रेमनगर
5	उपनिरी0	अमित गुप्ता	र.के. सूरजपुर	थाना प्रभारी जयनगर
6	उपनिरी0	मनोज कुमार सिंह	र.के. सूरजपुर(पु.कार्या.)	चौकी प्रभारी खड़गवाँ
7	उपनिरी0	सरकराज अहमद	चौकी प्रभारी खड़गवाँ	थाना प्रभारी झिलमिली
8	उपनिरी0	विराट विसी	थाना प्रभारी प्रेमनगर	थाना प्रभारी रामाटनगर
9	उपनिरी0	मनोज सिंह	र.के. सूरजपुर	विश्रामपुर
10	स.उ.नि.	संजय यादव	थाना झिलमिली	चौकी प्रभारी कुदरगढ़
11	स.उ.नि.	आलोक सोनी	कंट्रोल रूम(र.के.)	झिलमिली
12	स.उ.नि.	कृष्ण कुमार सिंह	र.के. सूरजपुर	रामानुजनगर
13	स.उ.नि.	मनोज पोर्ते	र.के. सूरजपुर	सूरजपुर
14	स.उ.नि.	माधव सिंह	र.के. सूरजपुर	प्रतापपुर
15	स.उ.नि.	जगनारायण साहू	र.के. सूरजपुर	विश्रामपुर

क्र0	पदनाम	नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1	प्र.आर. 222	इसित बेहरा	र.के. सूरजपुर	यातायात
2	प्र.आर. 580	कृष्णकांत पाण्डेय	र.के. सूरजपुर	प्रतापपुर
3	प्र.आर. 154	सुरेन्द्र सिंह	र.के. सूरजपुर	खड़गवाँ
4	प्र.आर. 329	मनोज वर्मा	र.के. सूरजपुर	ओडगी
5	प्र.आर. 308	विजय केरकेट्टा	र.के. सूरजपुर	चाँदनी
6	प्र.आर. 365	संजय राजपूत	र.के. सूरजपुर	रामानुजनगर
7	आरक्षक 506	अनित एक्का	र.के. सूरजपुर	ओडगी
8	आरक्षक 793	अमर सिंह	र.के. सूरजपुर	चाँदनी
9	आरक्षक 275	अशोक कन्नौजिया	र.के. सूरजपुर	प्रतापपुर
10	आरक्षक 46	वीरेन्द्र कुजूर	र.के. सूरजपुर	रामानुजनगर
11	आरक्षक 76	राजू रजक	र.के. सूरजपुर	बसदेई
12	आरक्षक 27	हेमंत केरकेट्टा	र.के. सूरजपुर	झिलमिली
13	आरक्षक 760	बुद्धय लाल पाटले	र.के. सूरजपुर	प्रतापपुर
14	आरक्षक 629	जीतू यादव	र.के. सूरजपुर	रामानुजनगर
15	आरक्षक 522	देवनिता मिंज	र.के. सूरजपुर	सूरजपुर
16	आरक्षक 904	रामेश्वर जगन्नायक	र.के. सूरजपुर	सूरजपुर
17	आरक्षक 785	विकास पटेल	र.के. सूरजपुर	बसदेई
18	आरक्षक 889	रामकुमार नायक	र.के. सूरजपुर	खड़गवाँ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिला के नए पुलिस कप्तान योगेश पटेल ने अपने विभाग में व्यापक फेर बादल की है जिसमें तीन निरीक्षक,6 उप निरीक्षक,6 सहायक उप निरीक्षक, 6 प्रधान आरक्षक एवं 12 आरक्षक जिला के एक पुलिस थाना से दूसरे पुलिस थाना एवं पुलिस चौकिया में किया गया है तथा उन्हें तत्काल अपने स्थानांतरित स्थान पर नियुक्ति के लिए निर्देशित किया गया है। इस स्थापना स्थानांतरण में विश्रामपुर पुलिस थाना के नए थाना प्रभारी रुपेश कुंतल होंगे।

शैक्षणिक व्यवस्था व छात्रावास का कलेक्टर ने लिया जायजा, पहुंची पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय

कक्षा में गूंजा असमिया गीत, छात्रा की प्रस्तुति पर कलेक्टर ने की सराहना

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज ग्राम पंचायत बसदेई स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता की जानकारी ली।

कलेक्टर ने एक छात्रा से अंग्रेजी की पुस्तक का पाठ करने और उसका हिंदी में अनुवाद बताने को कहा। छात्रा ने आत्मविश्वास के साथ पुस्तक का पाठ करते हुए उसका सहज अनुवाद प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने उसकी सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रगति एवं शिक्षण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न राज्यों से अध्ययन हेतु आए विद्यार्थियों से भी आत्मीय चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी अपनी समस्या सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस अवसर पर कलेक्टर ने असम की एक छात्रा से उसकी मातृभाषा में गीत प्रस्तुत करने कहा। छात्रा द्वारा मधुर गीत की प्रस्तुति पर उन्होंने उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने स्वास्थ्य जांच कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, निर्माणाधीन भवन, बालक एवं बालिका छात्रावास तथा मेस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बसदई के अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का किया निरीक्षण

ग्रामीणजनों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं सेवाओं को सुलभ बनाने दिए निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्रीमती रेना जमील द्वारा आज ग्राम पंचायत बसदई स्थित जनपद पंचायत कार्यालय, ग्रामीण सचिवालय एवं अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केन्द्र में संचालित नागरिक सुविधाओं, वित्तीय समावेशन सेवाओं एवं सीएससी की सेवाओं की जानकारी ली तथा वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणजन को बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीणों को जन्म-मृत्यु पंजीयन, आय-निवास-जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन सहित विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ सुगमता से मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सीएससी सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने पर बल दिया।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी सेवाओं को सुलभ बनाया जाए, जिससे ग्रामीणजनों को अपने आवश्यक कार्यों हेतु शहर तक न जाना पड़े और उन्हें गांव में ही समस्त शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृत्रिम गर्भाधान से बदली पशुपालक की तस्वीर, बढ़ा दुग्ध उत्पादन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम अगस्तपुर निवासी श्री हीरालाल सोनवानी ने पशुपालन विभाग की योजनाओं एवं कृत्रिम गर्भाधान सेवा का लाभ लेकर अपने पशुपालन व्यवसाय को नई दिशा दी है। पिछले लगभग 16 वर्षों से पशुपालन से जुड़े श्री सोनवानी आज क्षेत्र के सफल पशुपालकों में शामिल हैं।

वर्तमान में उनके पास 04 दुधारू गाय, 03 बछिया एवं 04 बछड़े हैं। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग के कृष्णपुर उपकेंद्र से कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उन्हें उन्नत नस्ल के पशु प्राप्त हुए, जिसके परिणामस्वरूप उनके डेयरी व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में वे प्रतिदिन लगभग 35 से 40 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में भी निरंतर बढ़ोतरी हुई है।

श्री हीरालाल सोनवानी ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान तकनीक से बेहतर नस्ल के पशु मिलने के कारण दूध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। उन्होंने अन्य पशुपालकों से भी विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाकर उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन करने की अपील की।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मादा-वत्स पालन योजना के अंतर्गत एक बछिया भी प्रदान की गई थी, जिससे उनके पशुधन में वृद्धि हुई और व्यवसाय को मजबूती मिली।

श्री हीरालाल सोनवानी ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं समय-समय पर उपलब्ध कराई जा रही तकनीकी सेवाओं के लिए शासन और पशुपालन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग के सहयोग से उनका पशुपालन व्यवसाय अधिक लाभकारी और आत्मनिर्भर बन सका है।

भिलाई में दूसरे एक्सपीरियंस सेंटर के साथ होमलेन ने छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी मजबूत की

भिलाई: भारत का अग्रणी टेक और एआई-सक्षम होम इंटीरियर्स ब्रांड होमलेन ने मध्य भारत के भिलाई, छत्तीसगढ़ में अपने नये एक्सपीरियंस सेंटर के लॉन्च के साथ अपनी मौजूदगी को अधिक मजबूत किया है। इस क्षेत्र का प्रमुख आवासीय और व्यावसायिक केंद्र होनेवाले सुपेला में स्थित यह 2,000 वर्ग फुट का विशाल स्टूडियो होमलेन का छत्तीसगढ़ में दूसरा एक्सपीरियंस सेंटर है। यह नया एक्सपीरियंस सेंटर सुपेला और पूरे भिलाई क्षेत्र में संगठित होम इंटीरियर समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने की होमलेन की क्षमता को और मजबूत करता है। राज्य में अपनी मौजूदगी का विस्तार करते हुए, होमलेन का उद्देश्य अधिक से अधिक घर के मालिकों तक पहुंचना और अपने सुव्यवस्थित, डिज़ाइन-केंद्रित और तकनीक-सक्षम होम इंटीरियर समाधानों को पूरे छत्तीसगढ़ में पहुंचाना है। खासकर उच्च संभावनाओं वाले टियर-2 बाज़ारों में यह विस्तार होमलेन की लगातार वृद्धि में एक और अहम पड़ाव है। यह लॉन्च होमलेन की दीर्घकालिक योजना को भी समर्थन देता है, जिसके तहत कंपनी इस वर्ष अपने एफ्ओ एफ्ओ (FOFO - Franchise-Owned, Franchise-Operated) नेटवर्क को 100 स्टूडियो तक बढ़ाने का लक्ष्य रखती है। साथ ही, उभरते हुए उन बाज़ारों में भी वे अपनी मौजूदगी बढ़ा रहे हैं, जहां सुव्यवस्थित, डिज़ाइन-केंद्रित और तकनीक-सक्षम होम इंटीरियर समाधानों की मांग लगातार बढ़ रही है। इस एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य (MLA) वैशाली नगर निर्वाचन क्षेत्र से रिकेश सेन की मौजूदगी में किया गया।

संपादकीय

मेसी की विरासत दागदार

फाइनल में अर्जेंटीना की टीम ना सिर्फ खराब खेली और हारी, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे लायोनेल मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका के अंदर और बाहर नियम-कायदों और मर्यादा को तार-तार करने गहराती गई संस्कृति का पूरा साया उसकी मेजबानी में हुए दुनिया के सबसे खेल आयोजन- यानी फुटबॉल कप पर नजर आया। 39 दिन तक चले टूर्नामेंट के दौरान ये धारणा फैली कि इस टूर्नामेंट पर ट्रंप युग और ट्रंपीय कायदों का साया पड़ा हुआ है। ट्रंप की इच्छाओं के आगे फीफा के घुटने टेकने और रेफरी तथा वीडियो एस्टिटैंट रेफरी (वीएआर) के लगातार अविश्वसनीय एवं खराब निर्णयों ने ऐसे संदेहों को लगातार बल प्रदान किया। स्वाभाविक है कि ऐसे फैसलों से बार-बार लाभान्वित हुई अर्जेंटीना की टीम बहुत से फुटबॉल प्रेमियों के गुस्से का निशाना बनी। इस हद तक कि पहली बार ऐसा हुआ, जब बीच प्रतियोगिता के दौरान किसी टीम (अर्जेंटीना) को टूर्नामेंट से निकालने के लिए ऑनलाइन मुहिम चलाई गई, जिस अर्जी पर 60 लाख से ज्यादा लोगों ने दस्तखत किए। ये कथन आम हो गया कि अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान में उतरी टीम को रेफरी और फीफा का भी मुकाबला करना पड़ रहा है। संभवत: अर्जेंटीना के खिलाड़ी भी मानने लगे कि उनकी पीठ पर किसी का हाथ है! तभी फाइनल मैच में स्पेन से 1-0 से हार को गले उतारना उनके लिए कठिन हुआ और खेल के सबसे बड़े मंच पर वे मारपीट पर उतारू हो गए। उचित ही उनके हिंसक व्यवहार की फुटबॉल की दुनिया में व्यापक रूप से निंदा की गई है। यह सब अपनी उम्दा कलाबाजी के लिए मशहूर, इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक- लायोनेल मेसी के नेतृत्व में हुआ, जिससे उनके करोड़ों प्रशंसकों को ठेस पहुंची है। फाइनल मैच में उनकी टीम ना सिर्फ खराब खेली और पराजित हुई, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है। फीफा इस पर खुश है कि उसने इस टूर्नामेंट के जरिए आमदनी का रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन अनेक देशों की फुटबॉल एसोसिएशन और करोड़ों प्रशंसक इस 'खूबसूरत खेल' के सबसे बड़े टूर्नामेंट का बदसूरत आयोजन करने की उसकी भूमिका को लेकर फिलहाल विचलित हैं।

आलेख

भगवान और भक्तों के नए भारत में लड़ाई संभव नहीं

हरिशंकर

बेचारे सोनम वांगचुक! सांस मोदी के हिंदू राष्ट्र में ले रहे हैं बावजूद इसके माने बैठे हैं कि 'जनमत को जागरूक करना और सत्ता में बैठे लोगों को समझाना, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'। बारह वर्षों के अनुभवों में वांगचुक इतना भी नहीं समझ पाए कि मौजूदा हिंदू राष्ट्र के सिक्के के दो पहलू नहीं हैं। उसे इधर पलटिए या उधर, दोनों तरफ एक ही चेहरा है- नरेंद्र मोदी का। वही भक्तों के कलियुगी भगवान है। तभी हिंदू मानस में भगवान से जवाब-तलब नहीं होता, केवल पूजा, दर्शन और भक्ति होती है। तो कौन सा जनमत, कैसी जागरूकता और कैसी जवाबदेही? इस सत्य का सबूत हजार साला गुलामी भी है। राम मंदिर टूटा, आक्रमण हुए, अपमान और पराधीनता का लंबा दौर बीता, लेकिन बहुसंख्यक हिंदू समाज ने कभी अपने आराध्य से यह प्रश्न नहीं किया कि 'आपके रहते यह सब क्यों हुआ'? न ही उसके भीतर. दिमाग में यह आत्ममंथन बना कि हम हर संकट का समाधान स्वयं बनने के बजाय किसी भगवान, किसी अवतार, किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा में क्यों बैठे रहते हैं? इक्कीसवीं सदी के कथित हिंदू राष्ट्र का भी यही सत्य है। हिंदू अब नागरिक नहीं भीड़ और भक्त में कनवर्ट है। इसलिए क्योंकि नागरिक सवाल पूछता है, जवाबदेही मांगता है। वह सत्ता को अपने प्रति उत्तरदायी मानता है। जबकि भक्त प्रश्न नहीं करता; वह आस्था में जीता है और मोदी के हर निर्णय को भगवान की लीला माने रहता है। इसलिए सोचें, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ सालों के चाल, चेहरे, चरित्र ने हिंदुओं को कैसा 'अवतार' दिया? सदियों से किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा करते समाज के सामने अंतत: नरेंद्र मोदी ऐसे स्थापित हुए कि वे या तो भगवान हैं, या मोदी ही भारत और भारत ही मोदी है। मोदी के हिंदू राष्ट्र में उन्ही की, अकेली की एक केंद्रित सत्ता है, जिसके सामने राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल, संसद और भाजपा जैसी राजनीतिक पार्टी सभी गौण है। मोहन भागवत हों या अमित शाह, राजनाथ सिंह हों या नितिन गडकरी; चुनाव आयोग हो, न्यायपालिका हो, मीडिया हो या नौकरशाही- सत्ता का पूरा तंत्र मोदी के रचित तीर्थ (दिल्ली में बने नए प्रधानमंत्री महल, नई दफ्तरी इमारतों, कथित तीर्थ) की परिक्रमा करता होता है। कृपा, वैधता, प्रतिष्ठा और राजनीतिक भविष्य सभी का मालिक एक अकेले नरेंद्र मोदी। वैसे कलियुगी हिंदू इसी लायक है भी। आखिर हम मानते भी है कि जैसी प्रजा वैसा राजा। तब भला आज की दैवीय व्यवस्था में लोकतंत्र, जनमत, जागरूकता और जवाबदेही जैसे शब्दों का मूल्य कौड़ी भर भी होगा? कतई नहीं। नागरिक की जगह अब भक्त है और संस्थाओं की जगह व्यक्ति पूजा है तो सत्ता से प्रश्न पूछना या जवाबेदही की उम्मीद करना बेवकूफी वाली बातें हैं। ध्यान है पर्यावरणविद् और पूर्व आईआईटी प्रोफेसर जीडी अग्रवाल का नाम। बेचारे ने संन्यास लेकर स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद का नाम धारा और गंगा को अविरल-निर्मल रखने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे। 111 दिनों तक जीवन दांव पर लगाने के बाद 11 अक्टूबर 2018 को ऋषिकेश के एम्स में दम तोड़ा। याद करें उनके निधन पर मोदी और उनकी सत्ता, संघ, भाजपा, साधु-संत, गंगा भक्तों. जनमत में किसी के भी आंसू नहीं निकले! इसलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20-21 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक का हिंदू राष्ट्र में जीरो अर्थ है। वे हिंदू अभिभावकों के बच्चों, देश की नई पीढ़ी के भविष्य के ठगी करने वाली नीट परीक्षा जैसी व्यवस्थाओं के खिलाफ कितना ही आंदोलन कर ले उनके लिए हिंदुओं की भीड़ नहीं जुटनी है। जो जुटी है या जुट रही है वह पहले से ही कॉकरोच का तमगा पाए हुए है। उन्हें चप्पल मार कर दबाया जाता है। कर्नाटक के एक अभिनेता प्रकाश राज ने जंतर मंतर जा कर बोला कि यह लड़ाई युवा छात्रों और देश के भविष्य की है व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए है। पर युवा छात्रों की भीड़ भी जब जंतर-मंतर नहीं पहुंची तो किसके लिए कौन सी लड़ाई? जाहिर है भगवान और भक्तों के नए भारत में लड़ाई संभव नहीं है। पिछले बारह वर्षों में बार-बार उभरे पैटर्न पर गौर करें। क्या हुआ है? न देखो, न सुनो, न जवाब दो और बस दर्शन, प्रवचन और चौबीसों घंटे झूठ बोलो। चुनाव जीतने की लीला को झूठ-फरेब से पकाते जाओ। लोकतंत्र, मर्यादा, असहमति की तमाम बाते भाड़ में। गंगा बचाने का अनशन हो या छात्रों, किसानों के साथ खिलवाड़ में आंदोलन हो पहले तो अनदेखी करो। बात ज्यादा बढ़े तो उसे बदनाम करो।

पीएम विद्या लक्ष्मी योजना भारत में शैक्षिक समावेशिता को बढ़ावा देना

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक तंगी का सामना कर रहे मेधावी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को सुलभ बनाना है। यह योजना ऐसे छात्रों को देश के शीर्ष रैंक वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिए बिना किसी जमानत (कोलैटरल-फ्री) और बिना किसी गारंटर के शिक्षा ऋण प्रदान करती है। यह पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज छूट के माध्यम से लाभार्थियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है, जिससे उच्च शिक्षा हासिल करने में आने वाली आर्थिक तंगी कम होती हैं। इस तरह, यह योजना भारत को सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) की दिशा में प्रगति करने में योगदान देती है। एसडीजी 4 का उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है।

उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधाओं को दूर करना

पिछले एक दशक के दौरान भारत में उच्च शिक्षा में दाखिले तेजी से बढ़े हैं। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014-15 में जहां 23.7त्न था वह 2023-24 में बढ़कर 30.0त्न हो गया। हालांकि, कई मेधावी छात्रों के लिए आर्थिक तंगी की वजह से देश के शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा पाना अभी भी मुश्किल भरा रहा है। कई छात्र शिक्षा ऋण के माध्यम से इस आर्थिक तंगी को पूरा करने का प्रयास करते हैं, लेकिन ऐसे कई और छात्र हैं जो इन ऋणों पर लगने वाली ऊंची ब्याज दरों को वहन नहीं कर सकते। इसके कारण अपनी योग्यता के बावजूद इन छात्रों का आईआईटी, आईआईएम और देश के कई अन्य शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में पढ़ाई करने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसे छात्रों की सहायता के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 नवंबर, 2024 को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी थी। यह एक मिशन-मोड पहल है, जिसके तहत देश के चुनिंदा बेहतरीन उच्च शिक्षण संस्थानों (क्त॥श्वङ्कह्य) में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को 3त्न ब्याज सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। इन शिक्षा ऋणों को प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी, छात्र-अनुकूल और पूरी तरह डिजिटल है। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं, ब्याज सब्सिडी का दावा कर सकते हैं और अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 से प्रेरित है, जो सिफारिश करती है कि सार्वजनिक और निजी दोनों उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) में अध्ययन के लिए मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण कोई भी मेधावी छात्र देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ने से वंचित न रहे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है।

विशेषताएं, लाभ और कवरेज

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत देश के नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे। बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ?7.5 लाख तक के ऋण पर 75त्न क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3त्न ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय ?4.5 लाख तक है।

बिना जमानत और बिना गारंटर के शिक्षा ऋण

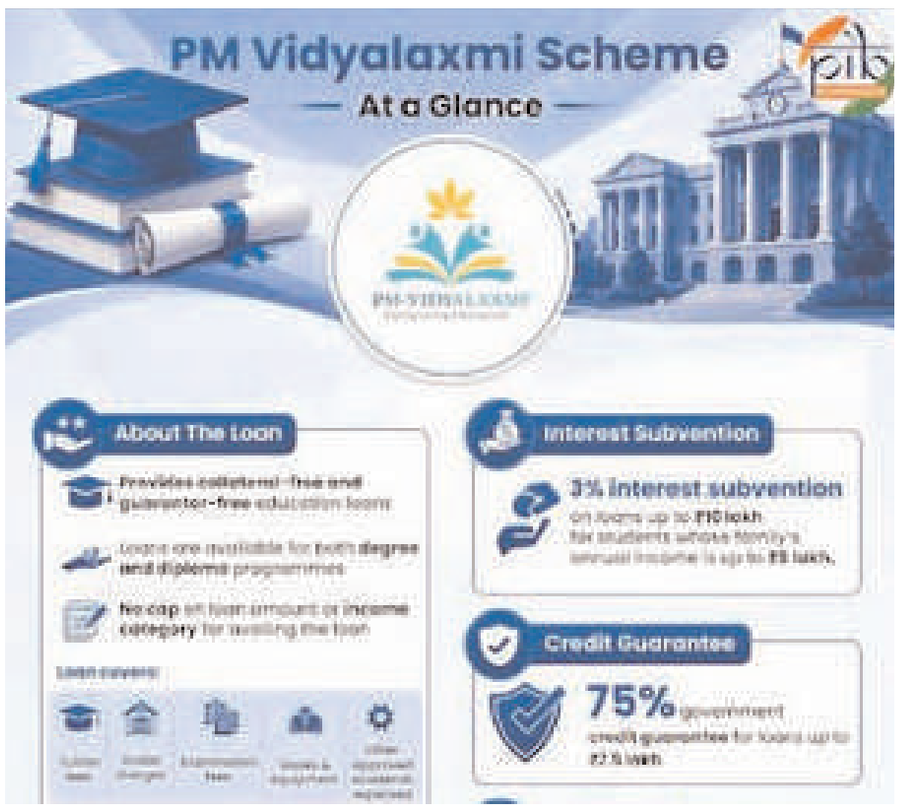

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत पात्र गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) में प्रवेश पाने वाले छात्र बिना किसी जमानत या तीसरे पक्ष की गारंटी के बिना भी शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा ऋण की अधिकतम राशि पर कोई निश्चित सीमा नहीं है। यह राशि उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित कोर्स फीस और अन्य शुल्क (जैसे मेस, हॉस्टल फीस, QHEI की अन्य रिफंडेबल और नॉन-रिफंडेबल फीस, एक उचित गुणवत्ता वाले लैपटॉप की लागत और पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छात्र द्वारा आवश्यक रहने का उचित खर्च)आदि पर निर्भर करेगी। सभी आय वर्गों के छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। ऋण देने वाली संस्थाओं को छात्रों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार 7.5 लाख रुपये तक के ऋण पर 75% क्रेडिट गारंटी प्रदान करती है। इससे ऋणदाताओं का जोखिम काफी कम होता है और छात्रों के लिए शिक्षा ऋण प्राप्त करना आसान होता है। योजना के तहत शिक्षा ऋण पर ली जाने वाली ब्याज दर संबंधित बैंक की एक्सटर्नली बेंचमार्क्ड लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) + 0.5त्न तक सीमित होगी। यह दर हमेशा बैंक द्वारा पीएम-विद्यालक्ष्मी के दायरे से बाहर दिए जाने वाले अन्य शिक्षा ऋणों पर लागू ब्याज दर से कम होगी। शिक्षा ऋण की अधिकतम पुनर्भुगतान अवधि 15 वर्ष तक होगी। इसमें पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष की मोराटोरियम अवधि शामिल नहीं होगी। यह ऋण भारत में संचालित सभी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध है और ऐसे ऋण प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या की कोई सीमा नहीं है। योजना के तहत शिक्षा ऋण अनुसूचित बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबीएस) और इसमें भाग लेने वाले सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

ब्याज पर छूट

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना, पीएम-यूएसपी सीएसआईएस (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना) की पूरक है। पीएम-यूएसपी सीएसआईएस के तहत, के तहत एनएएसी से मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम या एनबीएस से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम करने वाले ऐसे छात्र, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 4.5 लाख रुपये तक है, उन्हें 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि के दौरान 100त्न ब्याज सब्सिडी मिलती है। इसके अतिरिक्त, पीएम-विद्यालक्ष्मी की ब्याज सब्सिडी योजना का दायरा व्यापक है और इसमें नामित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (QHEIs) के सभी पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस योजना के तहत 8 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले मेधावी छात्रों को 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर मोराटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम की अवधि और उसके बाद एक वर्ष) के दौरान 3त्न ब्याज सब्सिडी दी जाती है।

यदि शिक्षा ऋण की राशि 10 लाख रुपये से अधिक है, तो ब्याज सब्सिडी केवल 10 लाख रुपये तक की वितरित कुल मूलधन राशि पर ही प्रदान की जाएगी।

जो छात्र केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य छात्रवृत्ति, ब्याज सब्सिडी योजना या शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का लाभ ले रहे हैं, वे सीएसआईएस या पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत ब्याज सब्सिडी का लाभ लेने के पात्र नहीं होंगे।

एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख छात्र मोराटोरियम अवधि के दौरान 3त्न ब्याज सब्सिडी के लिए पात्र होंगे। हालांकि, सीएसआईएस लाभार्थियों के लिए ऐसी कोई अधिकतम सीमा निर्धारित नहीं है।

छात्रों के लिए पात्रता मानदंड

यह योजना उन छात्रों के लिए उपलब्ध है, जिन्होंने भारत के निर्धारित गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (QHEIs) में से किसी में प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त किया है।

योजना के तहत सभी डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षा ऋण उपलब्ध है।

शिक्षा ऋण की पुनर्भुगतान अवधि मोरेटोरियम अवधि (पाठ्यक्रम अवधि + 1 वर्ष) को छोड़कर अधिकतम 15 वर्ष तक होगी। इन सभी लाभों का लाभ उठाने के लिए छात्रों को आधार के माध्यम से पंजीकरण करना, अपने पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराना और संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना आवश्यक है।

संलग्न शर्तें

आवेदक को पाठ्यक्रम बीच में नहीं छोड़ना चाहिए और न ही अनुशासनात्मक या शैक्षणिक कारणों से संस्थान से निष्कासित किया गया होना चाहिए। दूसरे वर्ष से आगे ब्याज सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए छात्र को संतोषजनक शैक्षणिक प्रदर्शन बनाए रखना होगा। छात्र ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी का लाभ केवल एक बार ले सकता है, चाहे वह स्नातक, स्नातकोत्तर या एकीकृत पाठ्यक्रम के लिए हो।

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पात्रता मानदंड:

संस्थानों को सूचीबद्ध करने के मानदंड उनके एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर निर्धारित किए गए हैं। वर्तमान में इसमें जो संस्थान शामिल हैं वो हैं- शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एनआईआरएफकी नवीनतम सूची में समग्र/श्रेणी-विशिष्ट और/या विषय-विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 स्थान प्राप्त करने वाले उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) शामिल हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एनआईआरएफकी नवीनतम सूची में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के अधीन शीर्ष 200 रैंक वाले उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) हैं।

भारत सरकार के अधीन आने वाले अन्य सभी उच्च शिक्षा संस्थान (HEIs) शामिल हैं।

विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के भारतीय परिसरों, भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के विदेशी परिसरों और विदेशी शैक्षणिक संस्थानों को इस योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है। पूरे भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) का चयन करने का मानदंड राज्यों के बीच समान और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है। यह सूची नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर अपडेट की जाती है। वर्तमान में 1,425 संस्थान पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत शामिल हैं और ये संस्थान पीएम-विद्यालक्ष्मी शिक्षा ऋण के लिए पात्र हैं।

लाभ प्राप्त करने के चरण

पीएम-विद्यालक्ष्मी का उद्देश्य छात्रों को उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षा ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करके उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाना है। यह योजना छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने, अपने आवेदन को ट्रैक करने तथा समय पर स्वीकृति और ऋण वितरण प्राप्त करने की सुविधा देकर ऋण प्रक्रिया को सरल बनाती है। यह योजना एक समर्पित योजना पोर्टल के माध्यम से संचालित होती है, जो निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:

सामान्य ऋण आवेदन
बैंक का चयन
आवेदन की स्थिति को ट्रैक करना
ब्याज सब्सिडी के लिए अनुरोध
डिजिटल प्रक्रिया और पारदर्शिता
पीएम विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपे ऐप (सीबीडीसी वॉलेट)

एक बार ऋण स्वीकृत और वितरित हो जाने के बाद, पात्र छात्र अपनी पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं। सब्सिडी की राशि लाभार्थी के 'पीएम-विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपया ऐप' (सीबीडीसी वॉलेट) में जमा की जाती है और बाद में इसे शिक्षा ऋण खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है। केंद्रीय क्षेत्र ब्याज सब्सिडी योजना (सीएसआईएस) के तहत भारत में तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए लिए गए शिक्षा ऋण पर स्थगन अवधि (मोरेटोरियम पीरियड) के दौरान पूरी ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। जिन छात्रों के माता-पिता/परिवार की वार्षिक सकल आय ?4.5 लाख तक है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं।

मौजूदा पीएम-यूएसपी सीएसआईएस योजना का संचालन PM-विद्यालक्ष्मी पोर्टल और पीएम-विद्यालक्ष्मी डिजिटल रुपे वॉलेट के माध्यम से किया जा रहा है। 22 जुलाई 2026 तक, 35,777 सक्रिय वॉलेट हैं, जिनके माध्यम से ?57.66 करोड़ की सब्सिडी का वितरण संभव हो रहा है। इस डिजिटल व्यवस्था ने लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, देरी कम करने और यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि वित्तीय सहायता पात्र छात्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, 2024-25 से संबंधित कुल 4,14,844 दावे केनरा बैंक को प्राप्त हुए हैं, जिनकी कुल राशि ?892.81 करोड़ है। इससे छात्र लाभार्थियों पर शिक्षा ऋण के पुनर्भुगतान का बोझ काफी कम होगा। पोर्टल छात्रों को अपनी शिकायतें दर्ज करने और उनकी स्थिति पर नजर रखने की सुविधा भी प्रदान करता है। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शिकायतों एवं विवादों का समय पर समाधान करने में मदद मिलती है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना का प्रभाव

पीएम-विद्यालक्ष्मी एक एकीकृत, पूर्णत: डिजिटल एवं पारदर्शी शिक्षा ऋण सुविधा मंच है। यह विद्यार्थियों को एक ही पोर्टल के माध्यम से पीएम-विद्यालक्ष्मी ऋण सहित सभी प्रकार के शिक्षा ऋणों के लिए बैंकों में आवेदन करने तथा अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है। इसका डैशबोर्ड आवेदनों, स्वीकृतियों और प्रसंस्करण चरणों पर वास्तविक समय के आंकड़े प्रदान करता है।

वित्त वर्ष 2025-26 में, सभी स्कीमों के तहत शिक्षा ऋण के लिए 6,45,514 आवेदन पोर्टल पर प्राप्त हुए । इनमें से 110667 आवेदन पीएम-विद्यालक्ष्मी के थे ।

वित्त वर्ष 2025-26 में PM-विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा ऋण के लिए 1,10,667 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 70,852 ऋण मंजूर किए गए और 67,728 ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

लैंगिक समावेश

पीएम-विद्यालक्ष्मी यह सुनिश्चित करती है कि सभी पात्र मेधावी छात्रों को उनके लिंग (gender) की परवाह किए बिना उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता तक पहुँच प्राप्त हो। महिलाएं और ट्रांसजेंडर छात्र भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा अधिक समावेशी और सुलभ बन रही है। वित्तीय बाधाओं को कम करके यह योजना छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने, अपने कौशल में सुधार करने और बेहतर करियर संभावनाएं बनाने में मदद करती है। इससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है और कार्यबल में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलता है, जो अधिक समावेशी सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान देता है। पीएम-विद्यालक्ष्मी लैंगिक समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देती है और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाती है। पीएम-विद्यालक्ष्मी बेहतर शैक्षिक परिणाम, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन तथा अधिक विविध, कुशल और सशक्त कार्यबल के विकास में योगदान देती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, 368742 पुरुषों और 276764 महिलाओं ने लोन के लिए आवेदन किया। पुरुषों के लिए 203438 लोन मंजूर हुए और महिलाओं के लिए 158629 लोन।

वंचित छात्रों को सशक्त बनाना

यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने में मदद करती है, जिससे समग्र समावेशिता को बढ़ावा मिलता है। कुल जमा किए गए आवेदनों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), सामान्य वर्ग, नॉन-क्रीमी लेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (NCOBC), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और दिव्यांगजन (PwD) वर्ग के छात्र शामिल रहे हैं। सभी प्रमुख सामाजिक समूहों के आवेदकों की भागीदारी योजना की व्यापक पहुंच और समावेशी स्वरूप को दर्शाती है। यह विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच वित्तीय रूकावटों को कम करने तथा शैक्षिक अवसरों तक निष्पक्ष और समान पहुंच को बढ़ावा देने में योजना के योगदान को रेखांकित करता है।

पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना: शैक्षिक समानता की दिशा में एक कदम

पीएम-विद्यालक्ष्मी मेधावी छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराकर तथा पात्र परिवारों के लिए लक्षित ब्याज सब्सिडी प्रदान करके उच्च शिक्षा तक समान पहुंच के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वित्तीय बाधाओं को कम करके यह योजना गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में अधिक भागीदारी को सक्षम बनाती है, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए। इस प्रकार, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है, समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 की प्राप्ति में योगदान देती है तथा देश के लिए कुशल और भविष्य के लिए तैयार मानव पूंजी के विकास को समर्थन प्रदान करती है।

मन ही सबसे बड़ा शत्रु है, इस पर विजय पाना है : मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा.

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास-2026 की चातुर्मासिक प्रवचनमाला में गुरुवार को परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने श्रद्धालुओं को मन पर नियंत्रण रखने का संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि मन मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। यदि मन की शक्ति बढ़ने लगे तो उसे संयम और धर्म के माध्यम से परास्त करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि जैसे व्यक्ति अपनी धन-संपत्ति की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहता है, उसी प्रकार आत्मरूपी तत्व की भी निरंतर निगरानी करनी चाहिए। जिनके मन में अलग-अलग प्रकार के आचरण और विचार चलते रहते हैं, उन्हें समझाना कठिन होता है। जो शुभ संस्कारों के साथ जीवन जीते हैं, उनके भीतर शुभ चिंतन, शुभ ज्ञान और धर्म-ध्यान का भाव निरंतर बना रहता है। धर्म-ध्यान ही मनुष्य को शुभ ज्ञान और आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर करता है।

मुनिश्री ने कहा कि आपका अंतिम लक्ष्य मोक्ष है। धर्मसभा में बैठकर जिनवाणी का श्रवण करना मनुष्य को मोक्ष के मार्ग के निकट लाता है, लेकिन सभा से बाहर निकलकर यदि मन पुनः सांसारिक मोह-माया और गतिविधियों में उलझ जाता है, तो वह अपने लक्ष्य से भटक जाता है। मन की इच्छाओं की खाई कभी नहीं भरती और यही मन साधक को मोक्ष मार्ग से विमुख कर देता है।

मुनिश्री ने कहा कि वर्षों से जिनवाणी का श्रवण करने के बावजूद यदि जीवन में उसका आचरण नहीं हो रहा है, तो मोक्ष का मार्ग दूर ही रहेगा। शास्त्रकार भगवंतों ने भी कहा है कि 'नजरें बदलना आसान है, लेकिन नजरिया बदलना कठिन है।' इसलिए साधक को अपने लक्ष्य पर केंद्रित होना होगा।

मुनिश्री ने कहा कि वर्षावास का पावन अवसर मन को निर्मल बनाने का श्रेष्ठ योग है। मन को जो अच्छा लगे, वह करने के बजाय जो आत्महितकारी और कल्याणकारी हो, वही करना चाहिए। धर्म-ध्यान के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए प्रभु के वचन मनुष्य को शुभ चिंतन, भावना, ध्यान और अनुप्रेक्षा की ओर ले जाते हैं।

सच्चा सुख केवल धर्म में है: मुनिश्री शाश्वतरत्न सागर म.सा.

परम पूज्य मुनिश्री शाश्वतरत्न सागर जी म.सा. ने धर्मसभा में कहा कि मनुष्य पूरे जीवन यह सोचकर जीता है कि उसे कभी न कभी सुख अवश्य मिलेगा, लेकिन परमात्मा ने स्पष्ट कहा है कि यह संसार मूलतः दुःखमय है। इसलिए सांसारिक सुख की अपेक्षा आत्मकल्याण के मार्ग पर चलना ही वास्तविक सुख की प्राप्ति का माध्यम है।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्यों को उनके दृष्टिकोण के आधार पर चार प्रकारों में बांटा जा सकता है। पहला वह, जो अपने द्वारा माने गए सुख को ही वास्तविक सुख समझता है। दूसरा वह, जो परमात्मा के बताए हुए सुख को स्वीकार तो करता है, लेकिन व्यवहार में अपने सांसारिक सुख को ही अधिक महत्व देता है। तीसरे प्रकार का व्यक्ति परमात्मा द्वारा वेब deshbandhuraipur@gmail.com ताए गए सुख के मार्ग को ही त्याग देता है, जबकि चौथा व्यक्ति परमात्मा के बताए हुए सुख को सही मानता तो है, लेकिन उसे अपने जीवन में उतारने का न तो पुरुषार्थ करता है और न ही उसे अपना लक्ष्य बनाता है। मुनिश्री ने कहा कि यदि वास्तविक सुख को प्राप्त करना है तो परमात्मा के बताए धर्ममार्ग को स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे आचरण में उतारना भी आवश्यक है।

जयकारों के बीच हुई गणिनी प्रमुख आर्यिका जिन देवी माताजी की 42 वें चातुर्मास की मंगल कलश स्थापना

■ उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने लिया गुरु मां से आशीर्वाद

जयपुर (विश्व परिवार)। सेठी कॉलोनी के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य बाहुबली महाराज की शिष्या गणिनी प्रमुख आर्यिका जिन देवी माताजी ससंघ के 42 वें चातुर्मास की मंगल कलश स्थापना जयकारों के बीच की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी शामिल हुई। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी विशिष्ट अतिथि तथा राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, समाचार जगत के संपादक शैलेन्द्र गोधा, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमल बाबू जैन, बैनाड़ अतिशय क्षेत्र के महामंत्री अशोक पाण्डया आदि सम्माननीय अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी एवं महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल ने बताया कि पूजनीया माताजी के पाद पक्षालन उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं समाचार जगत के संपादक शैलेन्द्र गोधा ने किया।

समारोह में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मंदिर के मुख्य द्वार से सिर पर मंगल कलश लेकर माताजी के पास पहुंची और माताजी को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजनीया माताजी द्वारा रचित जैन रामायण व जैन महाभारत कृति का विमोचन किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समारोह में मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन के पश्चात समाज श्रेष्ठी चिरंजीलाल सुनील कुमार कासलीवाल ने माताजी को जिनवाणी भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर मंदिर अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल, उपाध्यक्ष सुनील सेठी, चातुर्मास समिति के कोषाध्यक्ष राकेश मुशर्रफ महिला मंडल की अध्यक्ष नीतू मुशर्रफ महामंत्री शिल्पा पहाड़ियाँ आदि ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया।

जो स्वयं अपने को जीत लेता वह सम्राट वीर तो होता है: निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर में युग श्रेष्ठ विश्ववंदनीय पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य, विद्या शिरोमणि आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर जी महाराज ने वीर शासन जयंती के अवसर पर विद्या भवन में धर्म सभा में अपने मंगल प्रवचन में कहा कि आज का शुभ दिवस श्रमण संस्कृति, जैन परंपरा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है ।आज के दिन हम सभी को एक ऐसा ज्ञान प्राप्त हुआ जिसमें हम जैन जिन और जैन होने का संस्कार पा सकते हैं। तीर्थंकर की वाणी कल्याणी मानी गई है, और कल्याण किसका कल्याण सभी का इसलिए तीर्थंकर भगवंत के शासन को सर्वोदय शासन कहा गया ।शासन तो बहुतों ने किया वर्गोदय का शासन किया। किसी एक वर्ग को संरक्षण देना ऐसा शासन तो सभी ने किया ऐसे शासन का इतिहास जभी तक होता जब तक वह है। शासक गया उसका शासन गया इतिहास रक्त रंजित रहा सत्ता के लिए शासन किया उन्होंने बड़े संघर्ष किये वह शासन ना होकर दु:: शासन हुआ ।धर्म के लिए धर्म का शासन रक्त संघर्ष का शासन नहीं होता। अंदर से लड़ाई है अंतरंग से लड़ाई है खुद अपने से लड़ाई है। दुनिया को जीतने वाला वीर तो हो सकता है लेकिन महावीर नहीं हो सकता ।क्योंकि उसने दुनिया को जीता है जितना भी छल बल से हथियार से विश्व विजेता बन गए सम्राट बन गए वीर बन गए लेकिन महावीर नहीं बन पाए।

शरदपूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत इन्द्रध्वज विधान स्वर्णजयंती महोत्सव : डॉ जीवनप्रकाश जैन

■ हर घर ध्वज लहरायेंगे, माँ ज्ञानमती गुण गायेंगे

अयोध्या (उ.प्र.) (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जीवनप्रकाश जैन जी ने कहा की प्रतिवर्ष की भांति आ रहा है शरदपूर्णिमा महोत्सव 2026 जिसे हमें 30 जुलाई से 26 अक्टूबर तक मनाना है।

महोत्सव के अंतर्गत इस बार का मुख्य आकर्षण है- परमपूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी द्वारा लिखित इन्द्रध्वज विधान रचना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इन्द्रध्वज विधान स्वर्णजयंती महोत्सव। जिसका उद्घाटन हुआ शाश्वत तीर्थ अयोध्या में श्रावण कृष्णा एकम, 30 जुलाई 2026 को प्रात: 6 से 7 के मध्य पारस एवं भगवान ऋषभदेव जूम चैनल पर 7 हर घर ध्वज लहरायेंगे,माँ ज्ञानमती गुण गायेंगे। पारस चैनल सीधा प्रसारण हुआ और जूम पर सैकड़ों भक्तों ने जुड़कर डीप प्रज्वलित किए और दस प्रकार के चिन्हों से युक्त ध्वजाएँ लहरायी।

पुन: आगम में वर्णन अनुसार ही भक्तों ने इन्द्रों का रूप धारण कर हाथों में सफेद पुष्प थाल, सुपारी के गुच्छे, केले के गुच्छे, कटहल, कमल पुष्प थाल, आम्र आदि फलों के थाल तथा अष्ट द्रव्यों के थालों के साथ भव्य इंद्रध्वज विधान की पूजा और जयमाला पूर्वक अनुष्ठान संपन्न किया।

व्हाट्सअप के माध्यम से आपको इन्द्रध्वज विधान की 10 ध्वजाओं के चित्र भेजे जा रहे हैं, आप इनका प्रिंट निकलवा लें अथवा इसी प्रकार की असली ध्वजाएं भी चिन्ह सहित बना सकते हैं। इसी के साथ 50 बादाम एवं एक नारियल अपने घर में लेकर बैठें।

परमपूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिकारत्न श्री चन्दनामती माताजी के निर्देशानुसार आपको अपने घर में ध्वजा फहरानी हैं और अर्घ्य चढ़ाना हैं।

उद्घाटन के पश्चात स्वर्णजयंती महोत्सव के कार्यक्रम प्रतिदिन मध्यान्ह 3:30 बजे से पारस एवं जूम चैनल पर आयोजित होंगे। अत: घर बैठे इस पुण्यमयी अवसर का लाभ जरूर उठाएं कार्यक्रम में भाग लेने के अवश्य ज्वाइन करें।

प्राथमिक शाला राखी में श्रद्धा से मना गुरु पूर्णिमा

■ जनप्रतिनिधियों ने किया स्कूल में निर्माण कार्य का भूमि पूजन

आरंग (विश्व परिवार)। बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला राखी में धार्मिक एवं शैक्षणिक वातावरण में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में बालिका शौचालय निर्माण की विधिवत भूमि पूजन से हुई। तत् पश्चात बच्चों ने गुरु पूर्णिमा श्रद्धा और उत्साह से मनाए। छोटे बच्चों ने शिक्षको का तिलक ,पुष्प अर्पित कर गुरुओं का सम्मान किया। बच्चों ने गुरु महिमा पर आधारित गीत, कविता एवं भाषण भी प्रस्तुत किए।इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला राखी की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा साहू, ग्राम सरपंच श्रीमती भारती निर्मल रात्रे, उपसरपंच डोमन साहू, पंचगण, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष विक्की राज साहू, समिति सदस्य, संकुल समन्वयक पंकज ध्रुव एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कुंभोज में आचार्य श्री चंद्रप्रभ सागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न

■ गुरु पूर्णिमा पर उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का जनसैलाब

कुंभोज (विश्व परिवार)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कुंभोज में आचार्य श्री 108 चंद्रप्रभसागर जी महाराज ससंघ के विद्या सन्मतीदास पावन वर्षायोग (चातुर्मास) 2026 का मंगल कलश स्थापना समारोह भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कलश स्थापना कार्यक्रम 29 जुलाई 2026 को दोपहर 1 बजे से प्रारंभ हुआ।

गुरुभक्ति की मधुर सरिता, श्रद्धा का अनुपम समर्पण और धर्ममय वातावरण से सुसज्जित इस गुरु पूर्णिमा पावन महोत्सव में असंख्य श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के श्रीचरणों में विनयपूर्वक नमन कर पुण्य का अर्जन किया।

कलश स्थापना एवं धार्मिक क्रियाएँ -प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज कलश, संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर जी महाराज कलश, आचार्य श्रुतसागर जी महाराज कलश, आचार्य सन्मतीसागर जी महाराज कलश, गुरुदेव समंतभद्र जी महाराज कलश, आचार्य श्री चंद्रप्रभसागर जी महाराज कलश, चातुर्मास के प्रथम से षष्ठ कलश तक विभिन्न श्रद्धालु परिवारों ने धर्मलाभ अर्जित किया।

सफल आयोजन में रहा कुंभोज के सभी युवा वर्ग का सहयोग 7 सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सम्पन्न चातुर्मास कलश स्थापना समारोह को सफल बनाने में चातुर्मास समिति का विशेष योगदान रहा।

युवासम्राट, क्रांतिरत्न, प्रवचनकेसरी, संतवात्सल्यनिधी, जिनवाणीकंठभूषण, सम्यकरत्नाकर, ज्ञानदिवाकर, वात्सल्यमूर्ती प.पू. 108 आचार्यश्री चंद्रप्रभसागर महाराजजी, प.पू. मुनी श्री 108 नमितसागर महाराजजी, प.पू. मुनी श्री 108 भास्वतसागर महाराजजी, प.पू मुनी श्री 108 सरलसागर महाराजजी, प.पू मुनी श्री 108 चंद्रकीर्तीसागर महाराजजी, प.पू ऐलक श्री 105 वात्सल्यसागर महाराजजी का सानिध्य कुंभोज को मिल रहा है।

इनर व्हील क्लब ऑफरायपुर ग्रेटर ने बहुआयामी सेवा प्रकल्प आयोजित किया

महासमुंद (विश्व परिवार)। इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा महासमुंद स्थित आर्ष ज्योति गुरुकुल में सेवा, शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित बहुआयामी सेवा प्रकल्प आयोजित किया गया। क्लब की सचिव नेहा अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति से हवन-पूजन के साथ हुआ। इसके बाद गुरुकुल परिसर में 30 पौधों का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। क्लब द्वारा गुरुकुल को आवश्यक अनाज, 20 ट्यूब लाइट्स, दो कंप्यूटर एवं एक प्रिंटर भेंट किए गए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर रुचिता राव ने विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस एवं मोटिवेशनल सत्र लिया। उन्होंने छात्रों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चुनने, लक्ष्य निर्धारित करने तथा आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम क्लब की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान पास्ट प्रेसिडेंट संगीता गोयल, पुष्पा मालवीय, गीता जेठानी, पूजा जैन, नम्रता दुबे, सोनिया नाथानी, पास्ट सेक्रेटरी प्रज्ञा नायडू, रूबी साओ, सुषमा अग्रवाल, प्रियंका मिश्रा, रुचिता राव तथा सचिव नेहा अग्रवाल सहित क्लब की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

भगवान की दिव्या देशना ही जिनवाणी है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

सीकर (विश्व परिवार)। राजकीय अतिथि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी 36 साधु (37 पिच्छी) सहित पार्श्वनाथ भवन दंग की नसिया सीकर में विराजित है। श्री नवरत्न पाटनी अजमेर द्वारा पुन: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को जैनेश्वरी दीक्षा देने हेतु श्रीफल भेंटकर निवेदन किया।आचार्य श्री ने उपदेश मे बताया कि आज के दिन भगवान महावीर स्वामी की दिव्य देशना 66 दिन बाद खिरी थी। गौतम गणधर स्वामी ने भगवान की देशना को अपनी क्षयोपशम बुद्धि से शास्त्रों में लिपिबद्ध किया ।इसलिए आज के दिन को वीर शासन जयंती कहा जाता है 24 भगवानों ने धर्म का प्रवर्तन किया है उन्होंने आत्मा पर लगे कर्मों पर विजय प्राप्त कर केवल ज्ञान प्राप्त कर सिद्ध भगवान हो गए।अरिहंत भगवान की वाणी ही जिनवाणी है समंत भद्र आचार्य ने भी कहा कि आप्त (भगवान) के द्वारा कही गई बात जिनवाणी होती है।क्योंकि अरिहंत भगवान ने चार धातिया कर्मों का नाश किया है धातिया कर्म ही संसार में भ्रमण कराते हैं यह मंगल धर्म देशना वीर शासन जयंती के अवसर पर धर्म सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने प्रगट की। डॉ राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि जिस प्रकार आप सीढ़ी चढ़कर ऊपर लक्ष्य को प्राप्त करते हैं उसी प्रकार भी संयम दीक्षा धारण कर सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र धर्म को धारण कर भगवान आगम प्रणीत श्रेणी रूपी सीढ़ी से ऊपर बढ़ते हुए कर्मों का नाश करते हुए बढ़ते जाते हैं। भगवान की दिव्य ध्वनि जिनवाणी है। सब की आत्मा ज्ञान और दर्शन युक्त होती है लौकिक शिक्षा की तुलना में आध्यात्मिक ज्ञान बड़ा होता है शास्त्र स्वाध्याय से आत्मा को समझने का प्रयास करना चाहिए भगवान की वाणी का उल्लंघन नहीं करना चाहिए जैसे पिए पानी, वैसे होवे वाणी ,जैसे खाए अन्न वैसा होवे मन । श्रावकों को प्रतिदिन भगवान के दर्शन ,अभिषेक ,पूजन स्वाध्याय करना चाहिए भगवान से यही प्रार्थना करना चाहिए कि आपके जैसे आत्मिक गुण हमें भी प्रकट हो भगवान की वाणी अनुसार श्रावकों को योग्य आचरण करना चाहिए।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वसुंधरा गार्डन में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर चंगोराभाठा जोन एवं गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड, रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को वसुंधरा गार्डन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए बड़ी संख्या में नागरिकों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद छगन चौबे रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के संस्थापक अमिताभ दुबे ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में गुरदीप टुटेजा, आशीष शर्मा, मोनिका बागरेचा, भौमिक जी एवं डॉ. राधिका यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रीन आर्मी के सभी जोनों के पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि छगन चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की सराहना करते हुए सभी नागरिकों से अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में अमिताभ दुबे ने कहा कि ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर वर्षों से जनभागीदारी के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक व्यक्ति लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए। उन्होंने युवाओं एवं एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

आबांधा में 21 से 28 जुलाई तक सिद्धचक्र महामंडल विधान

भिलाई (विश्व परिवार)। चातुर्मास 2026 के पूर्व सिद्धों की आराधना के लिए रूआबांधा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 21 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक भव्य 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' का आयोजन किया गया हैं। जिसमें 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने विधान में सम्मिलित होकर सिद्ध प्रभु की आराधना की।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम घटयात्रा कलशयात्रा के माध्यम से महिलाओं ने क्षीरसागर का जल भरकर स्थलशुद्धि, वेदिशुद्धि पूर्ण की। विधान की सभी मांगलिक क्रियाएं, देवआज्ञा, सकलीकरण आदि विधि, प्रतिदिन भगवान का अभिषेक, शांतिधारा व संध्याकालीन आरती भक्ति विधानाचार्य पं. अनेकांत जैन ने सम्पन्न कराई।

जैन धर्म में 'सिद्धचक्र महामंडल विधान' को सबसे प्रभावशाली और कल्याणकारी विधान माना गया है। इसे 'सर्व कार्य सिद्धि विधान' भी कहा जाता है। इस विधान के अनुष्ठान से कर्म निर्जरा, रत्नत्रय की प्राप्ति, सुलभ मोक्ष मार्ग जैसे आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होते हैं। वहीं भौतिक रूप से सर्व कार्य सिद्धि, रोग निवारण, विघ्न बाधाएं दूर होकर घर में सुख, समृद्धि और शांति आती है तथा सारे जगत के जीवों की शांति और कल्याण की भावना से परिपूर्ण यह विधान अत्यंत ही लोकप्रिय हैं।

आठ दिवसीय इस विधान में 2100 से अधिक श्रीफल व अर्घ्य समर्पित किये गए। विधि पूर्वक विधान का आयोजन व प्रतिदिन प्रवचन प्रतिष्ठाचार्य पं. ऋषभ शास्त्री जी द्वारा किया गया। इस अनुष्ठान का पुण्यार्जन श्री राजीव जैन - श्रीमती उषा जैन, आशीर्वाद टेंट जैनको परिवार को प्राप्त हुआ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

मूसलाधार बारिश का कहर : वन विभाग परिसर में बोलेरो पर गिरा विशाल पेड़, वाहन चकनाचूर

बाल-बाल टला बड़ा हादसा, गरियाबंद में लगातार बारिश से जनजीवन बेहाल; 18 घंटे से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आसमान से बरस रही आफ्त अब जमीन पर तबाही मचाने लगी है। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बुधवार देर रात गरियाबंद वन विभाग परिसर में खड़ी एक बोलेरो वाहन पर अचानक विशाल पेड़ भरभराकर जा गिरा। पेड़ के गिरते ही वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, गनीमत रही कि हादसे के वक्त बोलेरो में कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार, लगातार बारिश के चलते जमीन पूरी तरह भीग गई है और पेड़ों की जड़ें कमजोर होने लगी हैं। इसी वजह से देर रात वन विभाग परिसर में एक के बाद एक दो बड़े पेड़ धराशायी हो गए। इनमें से एक विशाल पेड़ सीधे बोलेरो वाहन के ऊपर गिरा, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दूसरा पेड़ भी नजदीक ही गिरने से आसपास का इलाका प्रभावित हुआ।

घटना के बाद प्रशासन और वन विभाग हरकत में आया। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर और आसपास खतरा बने नीलगिरी के पेड़ों की कटाई शुरू करा दी गई है। अधिकारियों का उद्देश्य बारिश के दौरान कमजोर हो चुके पेड़ों के गिरने से होने वाली संभावित जनहानि और दुर्घटनाओं को रोकना है। क्षेत्र में लगातार निगरानी भी रखी जा रही है।

इधर, जिले में लगातार जारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि कई सड़कें पानी में डूब गई हैं। गरियाबंद से गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग भी करीब 18 घंटे से बंद बताया जा रहा है। मार्ग बंद होने के कारण यात्री बसों सहित मालवाहक वाहन रास्ते में फंसे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवागमन प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर जलभराव के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें डूबने से गांवों का संपर्क प्रभावित होने की जानकारी भी सामने आ रही है। बारिश का दौर जारी रहने से स्थिति और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है।

प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा नहीं करने की अपील की है। लोगों को बड़े और कमजोर पेड़ों, पुराने भवनों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार गरियाबंद जिले में फिलहाल भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम की स्थिति को देखते हुए ही घर से बाहर निकलने की अपील की है।

थाना केशकाल पुलिस ने किया विद्यालय में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

केशकाल। थाना केशकाल पुलिस द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, केशकाल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास बघेल ने विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने, तीन सवारी न बैठाने, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने के संबंध में जागरूक किया गया विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को समझाइश दी गई जो स्कूटी अथवा मोटरसाइकिल से विद्यालय आते हैं। उन्हें बताया गया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाना कानूनी अपराध है तथा यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों तक भी मोबाइल संदेश के माध्यम से अपील प्रेषित की गई कि वे अपने बच्चों को बिना वैध लाइसेंस दोपहिया वाहन न चलाने दें तथा हमेशा हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के लिए प्रेरित करें। थाना केशकाल पुलिस द्वारा आमजन एवं विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। विद्यालय प्रबंधन ने भी इस जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

केशकाल पुलिस ने स्कूल में चलाया यातायात जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

केशकाल। कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा तथा एसडीओपी अरुण नेताम के मार्गदर्शन में थाना केशकाल पुलिस ने बुधवार को स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, केशकाल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक विकास बघेल ने प्राचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देते हुए हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने, तीन सवारी नहीं बैठाने, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन नहीं चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने की समझाइश दी। इस दौरान विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को जागरूक किया गया जो स्कूटी या मोटरसाइकिल से विद्यालय आते हैं। उन्हें बताया गया कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना कानूनन अपराध है और नियमों के उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी मोबाइल संदेश के माध्यम से अपील भेजी कि वे अपने बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस दोपहिया वाहन न चलाने दें और हमेशा हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में थाना केशकाल पुलिस ने सभी से यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं विद्यालय प्रबंधन ने इस जनजागरूकता अभियान के लिए पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

पैरी के प्रचंड प्रवाह में फंसा परिवार, पांच घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

गौशाला में पति-पत्नी और तीन मासूम बच्चों की अटकी सांसें, आधी रात को सुरक्षित निकाला गया परिवार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। आसमान से बरसती आफ्त और पैरी नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच बुधवार शाम एक परिवार की जिंदगी सांसों के ऐसे संकट में फंस गई, जहां चारों तरफ सिर्फ पानी और तेज धार नजर आ रही थी। काश सोहागपुर क्षेत्र में पैरी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से गौशाला में पति-पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे फंस गए। सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब पांच घंटे तक चले चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पांचों लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया।

पिछले 24 घंटे से जिले में जारी मूसलाधार बारिश के कारण पैरी नदी समेत अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं। कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इसी बीच बुधवार शाम करीब 5 बजे काश सोहागपुर क्षेत्र से परिवार के गौशाला में फंसे होने की सूचना प्रशासन को मिली। खबर मिलते ही तहसीलदार, पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना की संयुक्त टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई।

बताया गया कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के चलते पैरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। कुछ ही देर में पानी गौशाला के चारों ओर फैल गया और वहां मौजूद पांच सदस्यीय परिवार बाहर निकलने की स्थिति में नहीं रहा। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया।

लगातार बारिश, तेज बहाव और अंधेरे के बीच रेस्क्यू टीम के सामने बड़ी चुनौती थी। पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना के जवानों ने रस्सियों, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से सावधानीपूर्वक अभियान चलाया। करीब पांच घंटे तक चले इस ऑपरेशन के बाद देर रात पति-पत्नी और उनके तीनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

परिवार के सकुशल बाहर आने के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने मुश्किल परिस्थितियों में साहस और तत्परता के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने वाली पुलिस, एसडीआरएफ, नगर सेना और प्रशासन की टीम की सराहना की।

जिले में लगातार बारिश और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि उफनती नदियों और नालों को पार करने का प्रयास न करें तथा जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। नागरिक मौसम विभाग और जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस या नियंत्रण कक्ष को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

एचडीएफसी बैंक के सीएसआर फुटप्रिंट ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में 10 .77 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई

मुंबई: भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर इनिशिएटिव के ज़रिए 10.77 करोड़ से ज़्यादा लोगों की ज़िंदगी पर असर डाला है। इन प्रोग्राम का अम्ब्रेला प्रोग्राम 'परिवर्तन' अब भारत के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। बैंक एनजीओ पार्टनर्स, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और कम्युनिटी इंस्टीट्यूशन के साथ पार्टनरशिप में काम करता है ताकि यह पक्का हो सके कि इंटरवेंशन लोकल लेवल पर रेलिवेंट, स्केलेबल और सस्टेनेबल लॉन्ग-टर्म असर देने में कैपेबल रहें। बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) इनिशिएटिव पर 1,316.18 करोड़ रुपए खर्च करने की जानकारी दी, जैसा कि साल के लिए उसकी इंटीग्रेटेड एनुअल रिपोर्ट में बताया गया है। यह पिछले फाइनेंशियल ईयर के मुकाबले 248 करोड़ रुपए से ज़्यादा की बढ़ोतरी है, जिससे बैंक के अम्ब्रेला प्रोग्राम 'परिवर्तन' के तहत कुल सीएसआर इन्वेस्टमेंट, शुरू से अब तक लगभग 7,492 करोड़ रुपए हो गया है। बैंक के फ्लैगशिप होलिस्टिक रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (एचआरडीपी) ने देश भर के 11,000 से ज़्यादा गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ा ली है, जो एक साल पहले के 10,430 गांवों से ज़्यादा है। यह प्रोग्राम पानी की देखभाल, खेती, रोजी-रोटी, शिक्षा, हेल्थकेयर, सफाई और कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे इंटीग्रेटेड अप्रोच के ज़रिए, ग्रामीण इकोसिस्टम को मजबूत करते हुए जीवन की क्वालिटी में सुधार कर रहा है।

एसबीआई कार्ड और गूगल पे ने साथ मिलकर को-ब्रांडेड गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड लॉन्च किया

नई दिल्ली: भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और गूगल ने मिलकर 'गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड' के लॉन्च की घोषणा की है, जो 'फ्लेक्स बाय गूगल पे' का ही एक हिस्सा है। गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड को रोज़मर्रा के भुगतान अनुभव को आसान और बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें आपको रिवॉर्ड्स, सुविधाजनक तरीके से भुगतान और सुरक्षा एक साथ मिलती है। यह साझेदारी क्रेडिट कार्ड के क्षेत्र में एसबीआई कार्ड की भरोसेमंद विशेषज्ञता और गूगल पे के डिजिटल इकोसिस्टम को एक साथ लाकर ग्राहकों के लिए भुगतान के अनुभव को आसान और बेहतर बनाती है। गूगल पे फ्लेक्स एसबीआई कार्ड आपके रोज़ के खर्चों को फायदेमंद अनुभव में बदल देता है। इसके ज़रिए ग्राहक किसी भी चीज़ की ख़रीदारी पर स्टार्स अर्जित कर सकते हैं और भुगतान के वक्त उन्हें रिडीम करके तुरंत फ़ायदा उठा सकते हैं। ग्राहक अपने रोज़मर्रा के ख़र्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स के रूप में साल में 18,000 स्टार्स तक अर्जित कर सकते हैं, वहीं हर बार 500 ख़र्च करने पर उन्हें 8 स्टार्स पाने का मौका मिलता है। यह क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को किराना सामानों की खरीदारी, बिल के भुगतान, ट्रैवल बुकिंग, उपयोगी सेवाओं के बिल के भुगतान, शॉपिंग और ऑनलाइन तथा आउटलेट्स पर जाकर कई अन्य श्रेणियों में खरीदारी पर रिवॉर्ड पॉइंट्स प्राप्त करने की सुविधा देता है। इसके अलावा, पैसों के लेन-देन को आसान बनाने के लिए ग्राहक अपने आख़िरी बकाया बिल को आसान ईएमआई में भी बदल सकते हैं।

Samsung 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' ने टॉप 100 युवा इनोवेटर्स को चुना है, जिनमें से 50 से ज़्यादा टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं

Samsung इंडिया ने आज Samsung सॉल्व फॉर टुमॉरो' के पांचवें एडिशन के लिए चुनी गई टॉप 100 टीमों की घोषणा की। यह कंपनी का खास इनोवेशन प्रोग्राम है जो युवाओं को असल दुनिया की चुनौतियों के लिए टेक्नोलॉजी-बेस्ड समाधान बनाने के लिए प्रेरित करता है। देश भर से मिली हज़ारों एप्लीकेशन में से चुनी गई ये टीमें इनोवेटर्स की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो अपने समुदायों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कर रही हैं। उनके आइडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थकेयर, शिक्षा, एक्सेसिबिलिटी, खेल और पर्यावरण की स्थिरता जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाते हैं कि टेक्नोलॉजी कैसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बना सकती है। भारत में Samsung के 30 साल पूरे होने के मौके पर, 'Samsung सॉल्व फॉर टुमॉरो' का पांचवां एडिशन अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बड़ा लक्ष्य रखने वाला एडिशन है। यह भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और युवाओं को 'डिजिटल इंडिया' और 'विकसित भारत' के विज़न में योगदान देने के लिए सशक्त बनाने की कंपनी की लंबे समय की प्रतिबद्धता को दिखाता है। Samsung साउथवेस्ट एशिया में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस और ट्रस्क के हेड, शुभम मुखर्जी ने कहा, इनोवेशन भारत का सबसे बड़ा रिन्यूएबल रिसोर्स बन गया है। हर साल हम देखते हैं कि ज़्यादा से ज़्यादा युवा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सिर्फ़ कुछ नया बनाने के लिए नहीं, बल्कि ऐसी समस्याओं को हल करने के लिए कर रहे हैं जिनसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी बेहतर हो सके।

मलेरिया रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तेज की गतिविधियां, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने की अपील

कांकेर उत्तर बस्तर कांकेर 29 जुलाई 2026 जिले में मलेरिया संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला मलेरिया अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी विकासखण्डों के गांवों में रैपिड फीवर सर्वे कराया जा रहा है। मलेरिया के सकारात्मक प्रकरण पाए जाने पर पॉजिटिव मरीजों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन द्वारा तत्काल दवा की पहली खुराक अपने सामने खिलाया जा रहा है। वहीं उल्टी-दस्त के मरीजों को ओआरएस एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है।जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी आश्रम एवं छात्रावासों में विद्यार्थियों की मलेरिया जांच की गई है।संक्रमित छात्रों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षकों को सभी छात्रों के बिस्तरों में मच्छरदानी का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर मितानिनों के सहयोग से स्रोत नियंत्रण दल गठित किया गया है, जिनके द्वारा घर-घर जाकर पानी में उत्पन्न होने वाले मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जाएगा। साथ ही जिला एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों के आसपास गढ्ढ़ों एवं नालों में पानी जमा न होने दें, यदि पानी जमा है तो उसकी निकासी करवायें अथवा मिट्टी का तेल एवं जला हुआ मोबिल आयॅल डालें, जिससे मच्छर के लार्वा पानी मे ही नष्ट हो जाएंगे। सेप्टीक टेंक में लगे हुए पाईप को खुला न छोड़ें, उसके ऊपर जाली अनिवार्य रूप से लगवायें। घर के आस-पास नारियल की खोल, डिस्पोजल, टूटे फूटे बर्तन, टायर, घर लिपाई के लिये घोला गया।

पंटोरा में जलभराव से बिगड़े हालात, अड़गड़ी नाला पुल निर्माण की जांच; आश्रम में बच्चों से पूछे सवाल

लगातार बारिश के बीच कलेक्टर ने गरियाबंद-मैनपुर में लिया हालात का जायजा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। लगातार हो रही बारिश के बीच गरियाबंद कलेक्टर बीएस उइके ने बुधवार को गरियाबंद एवं मैनपुर विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर जमीनी हालात का जायजा लिया। कलेक्टर की इस सक्रियता से प्रशासनिक अमला भी अलर्ट नजर आया। उन्होंने जलभराव, सड़क संपर्क, नदी-नालों में बढ़ते जलस्तर और आमजन की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएसपी निशा सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के कारण उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी जरूरी तैयारियां पहले से सुनिश्चित रखी जाएं।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पंटोरा क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। लगातार बारिश के कारण यहां अत्यधिक जलभराव की स्थिति बनी हुई थी, जिससे आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। कलेक्टर ने अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस, राजस्व और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

कलेक्टर बीएस उइके ने आम नागरिकों से

अपील करते हुए कहा कि नदी, नालों और पुल-पुलियों पर अनावश्यक आवाजाही से बचें। तेज बहाव वाले क्षेत्रों में प्रवेश न करें और बच्चों को नदी किनारे जाने से रोकें। उन्होंने पशुओं को भी नदी के समीप चराने या बांधने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बारिश की स्थिति के अनुसार जलाशयों से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। ऐसे में नागरिक प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का गंभीरता से पालन करें।

मैनपुर क्षेत्र के अड़गड़ी नाला में निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण कर कलेक्टर ने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बारिश के दौरान निर्माण कार्य में आवश्यक सावधानियां बरतने और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पुल निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर ने मैनपुर विकासखंड स्थित आदिवासी बालक आश्रम तौरेंगा पहुंचकर छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम में रह रहे बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई-लिखाई, दैनिक दिनचर्या और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछकर उनकी शैक्षणिक प्रगति का भी आकलन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आश्रम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए।

शिक्षामंत्री यादव, महापौर बाघमार व जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह

■ कलेक्टर अभिजीत सिंह ने 9 नामांकित एल्डरमेनों को दिलाई शपथ, जनसेवा एवं विकास के लिए निभाएंगे दायित्व

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम, दुर्ग शासन द्वारा नामांकित 9 एल्डरमेनों का शपथ ग्रहण उत्साह समारोह श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश के शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव, अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती अल्का बाघमार,राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू,कलेक्टर अभिजीत सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक,सभापति श्याम शर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शासन द्वारा नामांकित सभी 9 एल्डरमेनों नरेश तेजवानी,कांतिलाल जैन,मदन बढ़ई, अनूप सोनी, तुलसी यादव, दशरथ निर्मलकर, गौरव शर्मा, तेखन सिन्हा एवं चमेली साहू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी एल्डरमेनों ने एक साथ शपथ लेकर नगर के विकास, जनहित एवं नागरिकों की सेवा के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने नव-नामांकित एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने कहा कि शासन द्वारा नामांकित एल्डरमेनों के अनुभव एवं सुझावों से नगर निगम की कार्यप्रणाली और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी एल्डरमेन नगर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।उन्होंने नव-नामांकित एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि नगर निगम का प्रत्येक जनप्रतिनिधि विकास की कड़ी है। सभी के सामूहिक प्रयासों से दुर्ग शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने नव-शपथ ग्रहण करने वाले एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।

नवनिर्वाचित 9 एल्डरमेन शपथ ग्रहण समारोह में पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपने-अपने परिवारजनों एवं समर्थकों के साथ पहुंचे। इस अवसर पर सभी एल्डरमेन के चेहरों पर नई जिम्मेदारी मिलने की खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। शपथ ग्रहण के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने सभी एल्डरमेन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूरे समारोह का वातावरण उत्साह, गरिमा और उल्लास से परिपूर्ण रहा।

विधायक बोहरा ने किया अमरकंटक में कांवड़ियों के लिए नि:शुल्क भोजन और विश्राम की व्यवस्था

■ सावन के प्रथम दिन 400 कांवड़ियों का हुआ आगमन

कवर्धा (विश्व परिवार)। 30 जुलाई से सावन का पवित्र महिना प्रारंभ हो गया है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कबीरधाम जिले से हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री जल लेकर अमरकंटक में जलेश्वर महादेव के दर्शन व जलाभिषेक करने के लिए प्रस्थान करेंगे। उनकी यात्रा को सुखद बनाने के लिए लगातार पांचवे वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका के पास, अमरकंटक, जिला अनुपपुर (म.प्र.) में 30 जुलाई से 24 अगस्त तक सर्वसुविधायुक्त नि:शुल्क विश्राम एवं भोजन की व्यवस्था की गई है। सावन माह प्रारंभ की पूर्व संध्या लगभग 400 से अधिक कांवड़ियों का आगमन हुआ जहाँ उनका स्वागत कर उनकी सेवा की गई। सभी ने एक साथ सात्विक भोजन ग्रहण किया और माँ नर्मदा और भगवान भोलेनाथ जी की भव्य संध्या आरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की।

विगत वर्ष पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा इस सुविधा के माध्यम से लगभग 15,000 से अधिक श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को लाभ मिला और इस वर्ष भी उसी लक्ष्य के साथ मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका के पास, अमरकंटक में कांवड़ यात्रियों के लिए लिए सुबह चाय-नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का भोजन, नहाने व विश्राम की व्यवस्था एवं रोजमर्रा की सभी मूलभूत सुविधाओं की यहां पूरी तरह व्यवस्था की गई है और भावना समाज सेवी संस्थान के सदस्य भी यहां सातों दिन चौबीसों घंटे उनकी सेवा में उपलब्ध हैं ताकि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस सेवा से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु हेल्पलाइन नंबर 9755359004 एवं 9754462000 जारी की गई है।

इसके साथ ही विधायक भावना बोहरा द्वारा इस वर्ष कबीरधाम जिले से माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों की सुविधा के लिए गोपालपुर पंचायत परिसर (मध्यप्रदेश) में विश्राम की भी नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। पहले इस मार्ग में कांवड़ यात्रियों को विश्राम के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ता था जिसे देखते हुए विधायक भावना बोहरा द्वारा गोपालपुर में उनके विश्राम के लिए समुचित व्यवस्था की गई है ताकि उनकी यात्रा सुगम व सुरक्षित हो।

भिलाई-03 चरौदा निगम के स्वास्थ्य कर्मचारियों को वितरण किया गया रेनकोट

भिलाई (विश्व परिवार)। निगम महापौर निर्मल कोसरे सभापति कृष्णा चन्द्राकर सहित कमिश्नर डी एस राजपूत रहे कार्यक्रम में उपस्थित। सावन के पहले ही दिन भिलाई-चरौदा नगर निगम के कर्मचारियों को रेनकोट वितरण किया गया। जिसका उद्देश्य लगातार हो रही बारिश से कर्मचारियों को कार्य के दौरान फिल्ड में सुरक्षा चक्र प्रदान करना है। महापौर निर्मल कोसरे ने इस मौके पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमारे भिलाई-चरौदा निगम के कर्मचारियो को रेनकोट वितरण किया जा रहा है। जिससे किसी कर्मचारी को अपने दायित्व निर्वहन के दौरान बरसात के कारण बाधा उत्पन्न ना हो। वही श्री कोसरे ने आगे कहा कि बरसात के दिनो में कई प्रकार की संक्रामक बिमारियों और कीड़े आदि हवा में उड़ने वाले से बचाव के तौर पर भी रेनकोट कर्मचारियों के लिए उपयोगी रहेगा। मौके पर निगम स्वास्थ्य विभाग के समस्त महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रिजर्व बैंक, नवा रायपुर के नेतृत्व में दिनांक 21-07-2026 को कृष्णा इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, धनलक्ष्मी नगर, भनपुरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) में एक प्रभावी वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को बैंकिंग सेवाओं एवं वित्तीय प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे भविष्य में आर्थिक रूप से सशक्त एवं सुरक्षित निर्णय ले सकें।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बैंकिंग योजनाएं, बजट निर्माण, बचत एवं निवेश के महत्व के बारे में सरल एवं व्यवहारिक तरीके से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी जैसे बढ़ते खतरों के बारे में जागरूक किया गया। यह बताया गया कि वर्तमान समय में साइबर फ्रॉड एक वायरस की तरह तेजी से फैल रहा है, जिससे बचने के लिए सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं बैंकिंग लोकपाल हेल्पलाइन 14448 की जानकारी भी दी गई, ताकि किसी भी वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को नोटों की पहचान, शिक्षा ऋण, ऋण का सही उपयोग, एवं विभिन्न प्रधानमंत्री योजनाओं जैसे जन-धन, बीमा एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को सुरक्षित एवं समृद्ध बना सकें। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक से श्री सत्येंद्र राठौर (AGM), श्री नवीन तिवारी (LDO), श्री आकाश जी उपस्थित रहे। जिला अग्रणी बैंक (बैंक ऑफ बड़ौदा) से श्री मोहम्मद मोफिज़ (LDM), श्री दिलीप कुमार यदु (FLCs), श्री हरीश पांड्या ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यालय परिवार की ओर से निदेशक श्रीमती हरजीत कौर बग्ग एवं प्राचार्य सरिता सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कैच द रेन पर संगोष्ठी, पानी को सहेजने महिलाओं को आना होगा सामने

रिसाली (विश्व परिवार)। बारिश के पानी को संग्रहित कर किस तरह उपयोग में लाया जा सकता है इस विषय को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर क्षेत्र की महिलाओं को जल संरक्षण पर जानकारी दी गई। उप अभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर ने महिलाओं को कहा कि जल बचाने और उसे संरक्षित करने महिलाओं को आगे आना होगा।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को संग्रहित कर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से भूमिगत जल स्त्रोत को बढ़ाना है। उप अभियंता ने बताया कि पानी का सार्वाधिक उपयोग महिलाएं करती है। भविष्य में होने वाले जल अभाव से निपटने उन्होंने तरकीब भी बताई। महिलाओं ने आश्वस्त किया कि भविष्य को देखते हुए वे आस पास के क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाऐंगी। संगोष्ठी में वूमेन फॉर ट्री से जुड़ी महिला एवं स्व सहायता समूह की सद्स्य शामिल थी।

इस तरह बचाएं जल को, बारिश के पानी को पात्रों में एकत्र कर निस्तारी का उपयोग करें। बारिश के साफ जल को बोर व कुंए में पाइप के माध्यम से संग्रहित करें। घर के आस पास सोक पिट बनाएं ताकि भूमिगत जल स्तर बढ़ सके। अधिक से अधिक खाली जगहों पर पौध रोपण करें। जल संरक्षण के लिए आमजनों को प्रोत्साहित करें।

जनदर्शन की शिकायतों का हो त्वरित निराकरण, विकास कार्यों में न हो देरी : आयुक्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने गुरुवार को निगम सभागार में विभिन्न विकास कार्यों एवं विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों के अधिकारी तथा अभियंतागण उपस्थित रहे। आयुक्त ने सभी विभागों को नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में गति लाने तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आयुक्त ने कहा कि जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त मांगों एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को की गई कार्रवाई की जानकारी भी समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आयुक्त ने सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, निर्माण कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्यों से संबंधित निविदा प्रक्रिया आगामी तीन माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में कार्य प्रभावित न हों और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं निरंतर उपलब्ध होती रहें। बैठक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) कचान्दुर के उपचारित जल के प्रभावी उपयोग पर भी चर्चा की गई। आयुक्त ने उपचारित जल का प्राथमिकता के आधार पर औद्योगिक एवं सिंचाई कार्यों में उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जल कार्य विभाग को पाइपलाइन विस्तार एवं जलापूर्ति से जुड़े सभी कार्य करने कहा गया है, साथ ही वितरण प्रणाली, पाइपलाइन विस्तार से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गये हैं। बोरवेल कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्देशित किया कि बोरवेल खुदाई के मामलों में पानी निकलने की स्थिति में ही संबंधित एजेंसी को भुगतान किया जाए। उन्होंने बिजली बिलों के बढ़ते भार एवं लंबित भुगतान की भी समीक्षा की तथा सरचार्ज में राहत प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सर्व संबंधित को सूचना

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, (SEIAA), छत्तीसगढ़ रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) द्वारा EC Identification No. EC24B0108CG5888990N File No. OL/EC/MIN/KANKER / 3442, Dated 20/03/2026 के तहत् M/s. Har Har Mahadev Constructions, Prop.- Mr. Bhupendra Singh Vishwakarma, Stone Quarry Mine Village - Makdi Singray, Tehsil - Kanker, Dist.- Uttar Bastar, Kanker (C.G.) खसरा क्रमांक 129 में स्थित 3.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पत्थर उत्खनन एवं स्टोन क्रशर प्लांट क्षमता-17160 घनमीटर प्रतिवर्ष की पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई है।

उपरोक्त पर्यावरणीय स्वीकृति, प्रतियाँ सचिवालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अवलोकन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, www.Envfor.nic.in एवं एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ की वेबसाइट www.seiaacg.org पर भी किया जा सकता है।

राज्य स्तर पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, छ.ग. के निर्देशानुसार विस्तृत प्रसार के उद्देश्य के लिए सूचना प्रकाशित की जा रही है।

(मेसर्स हर हर महादेव कंस्ट्रक्शन, प्रो.- भूपेंद्र सिंह विश्वकर्मा)

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION Co. Ltd.

(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820
O/o Chief Engineer (Sub/Station), Raipur Address-Shed No.-04, Danganiya, Raipur-492013
Website-www.cspc.co.in, E-Mail-CE.TnC@cspc.co.in, Phone-0771-2574256, Fax No.-0771-2574267

No. 02-07/Tender/P-1962/540 Raipur, Dtd. 29/07/2026

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Tenders are invited from experienced eligible bidders for following work on labour contract basis :-

S. No.	Particulars of works	EMD (Rs.)	Last date/ time for submission of tender
1.	Tender for awarding labour contract (including materials) for construction of 21 Nos. earth pits and installation of GI. Earth spike and GI. Flat at 132KV S/s Gudhiyari under EE (S/s) Dn.-I, CSPTCL Raipur.	16,500/-	19/08/2026 14:00 Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY S- 48594/2

Chief Engineer (Sub-station)
CSPTCL: Raipur (C.G.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई
(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2026/234/156 भिलाई, दिनांक 28/7/2026

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत्त कर सकते है बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाग	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्री धीरज शाह पिता श्री पी.बी. शाह, निवासी क्वा.नं-18/बी, स्ट्रीट नं 23. सेक्टर-10 भिलाई, तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)	श्री आर.श्रीनिवास पिता स्व. आर.पी. महादेवुद्ध, निवासी - क्वा.नं.-4/ए. स्ट्रीट नं.- 69, सेक्टर 06 भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, मॉडल टाउन वार्ड क्रमांक 03 ('राधिका रायॅल' मॉडल टाउन अंदर भाग) खसरा नं.- 824/4, फ्लैट नं. 202 द्वितीय तल, क्षेत्रफल 1515 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
2	निश्चल अग्निहोत्री पिता श्री विनोद कुमार अग्निहोत्री, निवासी पलैट नंबर 302 ए. ब्लॉक गिरिधारी मुरारी अपार्टमेंट, अभ्युदय नगर भारत नगर कॉलोनी, टाइम स्कूल के पारा, बडलगुडा जागीर, राजेंद्रनगर, के.बी. रगारेड्डी, (तेलंगाना)	किशोर कुमार सोनी पिता श्री माखन लाल सोनी, निवासी म.नं. ए-10, चौहान टॉऊन, शंकरा कॉलेज के बगल में जुनवानी भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, स्मृति नगर वार्ड, वार्ड न 02 (चौहान टाऊन) पलैट नं. 43 पंचम तल. ब्लॉक नं. सी 2, क्षेत्रफल 969 26 वर्गफीट, आवासीय फ्लैट निर्मित।
3	स्व. सन्नी थदानी, पिता श्री मनोहर लाल थदानी, निवासी- मकान नं. 280, स्ट्रीट नं. 04, शांतिनगर पलक निवास भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	1. नेहा थदानी पति स्व. सन्नी थदानी, 2. पलक थदानी पिता स्व. सन्नी थदानी, 3. अनन्या थदानी पिता स्व. सन्नी थदानी, निवासी बाबा दीप सिंह नगर, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	कोहका, वार्ड न. 14 रामनगर वार्ड के बाबादीप सिंह नगर अंदर भाग, खसरा नं.-8094, रकबा 1500 वर्गफुट, आवासीय भवन निर्मित।
4	स्व सन्नी थदानी, पिता श्री मनोहर लाल थदानी, निवासी- मकान नं. 280, स्ट्रीट नं. 04. शांतिनगर पलक निवास भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	1. नेहा थदानी पति स्व. सन्नी थदानी, 2. पलक थदानी पिता स्व. सन्नी थदानी, 3. अनन्या थदानी पिता स्व. सन्नी थदानी, निवासी बाबा दीप सिंह नगर, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	कोहका, वार्ड नं. 14 रामनगर वार्ड बाबादीप सिंह नगर अंदर भाग, खसरा नं.-8152/2. प्लाट नं.-44 ए. रकबा 1200 वर्गफुट, आवासीय भवन निर्मित।
5	पुरण सिह सोनाये आ. श्री रमेश सिंह सोनाये, निवासी सडक नं. 08 शांतिनगर, कोहका भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	बसंत वर्मा आ. स्व. गुलाबचंद वर्मा, निवासी ई. डब्ल्यू.एस. 641, वार्ड नं.-10 वैशाली नगर सुपेला, भिलाई तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका वार्ड नं.- 07 पुरानी बस्ती वार्ड अंतर्गत शांति नगर कोहका अंदर भाग, खसरा नं. 6539, प्लाट नं.-12. रकबा 1400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
6	स्व श्रीमती शोभादास ध.प. जी.एन. दास. निवासी सडक नं. 31. क्या.नं.- 06 थी. नंदनी माइंस मिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग)	सुरेन्द्र दास पिता स्व. गोपीनाथ दास, निवासी प्लाट नं. 15, माईल स्टोन स्कूल के पास, अयप्पा नगर, सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान	वार्ड नं.- 07. कोहका अयप्पा नगर भिलाई, खसरा न 2256. रकबा 2400 वर्गफुट आवासीय भवन निर्मित।
7	श्री गुन्ना लाल पिता स्व. नत्थूराम, निवासी मन-B-271, सडक नं.-04, स्मृति नगर, जुनवानी भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती उषा एम. स्वरूप, पति महेन्द्र स्वरूप, (महेन्द्र स्वरूप, पिता मुन्ना लाल), निवासी म.नं.-B-271, सड़क नं.-04, स्मृति नगर, जुनवानी भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	दानपत्र	जुनवानी, स्मृति नगर वार्ड न.-02 के अंतर्गत स्मृति नगर अदर भाग, व्यावसायिक भूखड B-175, खसरा नं 420/136, रकबा 450 वर्गफीट + 57 वर्गफीट = 507 वर्गफीट, भवन निर्मित।
8	श्रीमती लालमुनी ध.प. स्व. पुनवासी राम से कृष्ण कुमार प्रसाद पिता स्व. पुनवासी राम, निवासी मकान नं. 916 वार्ड नं-11, सडक न-16 शांति नगर कोहका भिलाई, तह व जिला दुर्ग (छ.ग.) से 1. श्रीमती बबिता प्रसाद ध.प. स्व. कृष्णा कुमार प्रसाद, 2. कंचन कुमार प्रसाद आ. स्व. कृष्णा कुमार प्रसाद, दोनों निवासी मकान नं. 916, शांति नगर कोहका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	हैथी स्कूल एजूकेशनल सोसायटी सेक्टर-06 भिलाई, सचिव हरगीत सिंह सचदेव आ. श्री जी.एस. सचदेव, निवासी-10/8. प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम गिलाई. तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)	वसीयतनामा / वारिसान / बिक्रीनामा	कोहका वार्ड नं. 10 शाति नगर वार्ड अंतर्गत शांति नगर कॉलोनी, प्लाट नं. 04. खसरा नं- 6305, रकबा 4000 वर्गफीट, भवन निर्मित।
9	श्रीगती नगा जैन (पारख), ध.प. श्री विनोद पारख (जैन) से श्रीमती ममता जैन ध.प. श्री ई. डब्लू एस-380. संतोष जैन, निवासी वैशाली नगर सुपेला तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)	1. श्रीगती गीता देवी पति श्री प्रेम चंद जैन, 2. श्रीमती पिंकी जैन, पति श्री दिनेश कुमार जैन, दोनो निवासी कोचिंग क्लास, गुजराती लाईन पोलसाय पारा दुर्ग, तह व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, (वार्ड नं-14 राम नगर वार्ड के इंदिरा चौक रामनगर से गुरूनानक मार्केट होते हुए रानइकबाल मिश्रा के घर तक एम आर. 9 रोड के अंदर भाग) खसरा न.-8213/2, रकबा 880 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

अपर आयुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

कार्यालय नगर पंचायत रोहांसी, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग)

E-mail ID-cmonprohasi@gmail.com

क्रमांक/571/लो.नि.वि./नि.आ.सू./न.प./2026-27 रोहांसी, दिनांक-29/07/2026

- ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना:-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर नंबर	कार्य का विवरण	लागत राशि (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड/जमा करने की अंतिम तिथि
1	196411	पलारी मुख्य मार्ग में 10 सीटर आंकाक्षीय शौचालय निर्माण कार्य।	23.74	ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 20/08/2026, समय- सायं 5:30 बजे तक
2	196412	लवन मुख्य मार्ग में 10 सीटर आंकाक्षीय शौचालय निर्माण कार्य।	23.74	

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://cgeprocurement.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत रोहांसी
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
5th call

NIT NO: 153/PWD/Zone-9/2026 RAIPUR DATED: 30/07/2026

Online bids are invited for the following works of works up to Date 10/08/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Type of Tender	Time allowed for Completion	SOR Applicable
01	196430	डी.एम.एफ फण्ड से पं. मोतीलाल नेहरु वार्ड क्रमांक-9 अंतर्गत आंगनबाडी भवन निर्माण बाजार चौक आमासिवनी	1169000/-	9000/-	Class-D & above	पंचम	04 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर 01. 01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 30/07/2026 17.30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क रु. 750/- देय होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

जिला पंचायत दुर्ग में कृषि स्थायी समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग की कृषि स्थायी समिति की बैठक आज जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुई। नीलम राजेश चंद्राकर, समिति की सभापति के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू, जितेन्द्र यादव एवं सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर तथा उप संचालक कृषि (सदस्य सचिव) सहित कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुधन विकास, क्रेडा तथा जल संसाधन एवं विद्युत विभाग के विभागीय कार्यों एवं संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी प्रगति का विवरण तथा अनुमोदन हेतु आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।

यातायात, महिला सुरक्षा व साइबर सुरक्षा विषय पर छात्राओं को किया गया जागरूक

रायपुर (विश्व परिवार)। डीसीपी यातायात डॉ. अर्चना झा के मार्गदर्शन में संचालित सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत आज लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय, कालीबाड़ी, रायपुर में यातायात, महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।विद्यालय की प्राचार्या मनीषा गहोई की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सुरक्षित, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 12वीं तक की लगभग 250 छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन ने सहभागिता ली।

कार्यक्रम में एसीपी ट्रेफ़िक स्नेहिल साहू ने साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा विषय पर छात्राओं को जागरूक करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग तथा महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

इस दौरान छात्राओं को साइबर संबंधी अपराधों की जानकारी एवं सुरक्षात्मक उपाय बताए गए साथ ही महिलाओं से संबंधित अपराधों की जानकारी दी गई। चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर,साइबर क्राइम पोर्टल व हेल्पलाइन नम्बर, पिंक पैट्रोल, कंट्रोल रूम ,112 एवं अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफ़िक सीमा अहिरवार ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि संविधान हमें केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी प्रदान करता है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जब प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करेगा, तभी एक जिम्मेदार एवं सुरक्षित समाज का निर्माण संभव होगा।

उन्होंने छात्राओं एवं शिक्षकों से अपील किया कि विद्यालय आने-जाने के लिए केवल क्यूआर कोड युक्त ऑटो/ई रिक्शा का ही उपयोग करें तथा वाहन में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर उसकी जानकारी अपने अभिभावकों के साथ साझा करें। यह कमिश्नरेट यातायात पुलिस द्वारा सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने छात्राओं को क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) की जानकारी देते हुए बताया कि शहर में कहीं भी यातायात जाम की स्थिति होने पर यातायात पुलिस की सहायता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही आईटीएमएस, ई-चालान प्रणाली तथा आधुनिक यातायात प्रबंधन व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी गई। अपने संबोधन में उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपने घर की 'ट्रैफ़िक एंबेसडर' बनें तथा यहाँ प्राप्त सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने परिवार, मित्रों एवं पड़ोसियों तक पहुँचाकर यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में जुड़वा बहनों 'रक्षा-सुरक्षा' ट्विन सेफ्टी एंजेल द्वारा भी यातायात के संबंध में जानकारी दी गई ।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को यह भी बताया गया कि कमिश्नरेट में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए चरणबद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत पहले विद्यालयों के प्राचार्यों के साथ बैठक एवं काउंसलिंग की गई, उसके बाद विशेष अभियान के तहत अभिभावकों की काउंसलिंग की गई।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से वनांचल ग्राम छिंदपुर में बनी पक्की सड़क, ग्रामीणों की राह हुई आसान

कवर्धा (विश्व परिवार)। कभी बरसात के मौसम में घुटनों तक कीचड़ से होकर आवागमन करने सुदूर वनांचल छिंदपुर गांव की तस्वीर अब बदल चुकी है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत मेन रोड बांटीपथरा से छिंदपुर तक 1.5 किलोमीटर पक्की सड़क के निर्माण ने ग्रामीणों के जीवन में नई सुविधाओं का रास्ता खोल दिया है। वर्षों से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे ग्रामीण अब हर मौसम में सुरक्षित और सुगम यात्रा कर पा रहे हैं। करीब 270 आबादी वाले इस वनांचल गांव के लिए यह सड़क केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि विकास की शुरुआत बन गई है। सड़क बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, खेल गतिविधियों और दैनिक जीवन से जुड़ी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है।

पहले बांटीपथरा से छिंदपुर तक केवल कच्चा मार्ग था। बारिश शुरू होते ही पूरा रास्ता कीचड़ से भर जाता था। कई स्थानों पर घुटनों तक कीचड़ होने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता था। ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री सहित अन्य कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत इस मार्ग का पक्की सड़क में रूपांतरण होने से अब गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से हर मौसम में बना रहता है। इससे ग्रामीणों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से वनांचल क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है। सड़क जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कृषि कार्यों, बाजार और शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने लगा है।

ग्राम छिंदपुर के निवासी श्री बैसाखु ने बताया कि पहले मेन रोड बांटीपथरा से गांव तक पहुंचना कठिन था। बरसात में घुटनों तक कीचड़ होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती थी। अब पक्की सड़क बनने से आवागमन पूरी तरह आसान हो गया है।

नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने वार्डों का निरीक्षण किया

जामुल (विश्व परिवार)। नगर पालिका जामुल में नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बरसते पानी में वार्डों का निरीक्षण किया। भ्रमण अभियान के तहत नपा अध्यक्ष श्री ठाकुर ने नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्र. 09 एवं वार्ड क्र. 14 का दलबल के साथ दौरा किया और जमीनी स्तर पर मुलभुत कार्यों का निरीक्षण किया। और आम जनता से सीधे संवाद कर समस्या समाधान पर चर्चा किया। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि बरसात का मौसम है। जिसमें जल जनित्र की रोगों की संभावना बढ़ जाती है। विशेष कर जल भराव की स्थिति में इसी परिस्थिति के कारण वे स्वयं सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति की शुद्धता पर ध्यान देते हुए आम जनता से स्वयं वार्डों में

जाकर जानकारी ले रहे हैं। और जहां पर भी कोई शिकायत या समस्या मिलने पर तत्काल निराकरण करने संबंधित प्रभारियों को निर्देशित कर रहे हैं। नपा अध्यक्ष श्री ठाकुर ने वार्ड 14 अटल आवास के ओवर हेड टैंक के संधारण कार्य का भी निरीक्षण किया और बताया कि अगले दो तीन दिवस में सभी घरों तक नल से जल पहुंच जायेगा। वैसे भी प्रभावित वार्ड में पेयजल का वैकल्पिक व्यवस्था लगातार जारी है।

2 लाख युवाओं व नव-मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी और युवा मोर्चा के साथ जोड़ना है: टिकरिहा

■ 'ज्वॉइन बीजेवायएम' सदस्यता अभियान चला कर युवाओं को जोड़ा जा रहा है : राहुल टिकरिहा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने कहा है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मार्गदर्शन में युवा साथियों व नव-मतदाताओं को भाजयुमो के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का लक्ष्य लेकर मोर्चा द्वारा आठ वर्षों के बाद पुन: 'ज्वॉइन बीजेवायएम' सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। श्री

टिकरिहा ने कहा कि भाजयुमो नि:शुल्क सदस्यता अभियान के माध्यम से प्रदेश के नव-मतदाताओं एवं युवाओं को जोड़ रहा है, वहीं कांग्रेस सदस्यता अभियान के नाम पर भी प्रत्येक सदस्य से 75 रुपए सदस्यता शुल्क लेकर लूटने का काम कर रही है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने गुरुवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बताया कि दन्तेवाड़ा में माँ दन्तेश्वरी का आशीर्वाद लेकर बस्तर सम्भाग के दन्तेवाड़ा जिला स्थित बचेली मण्डल से यह अभियान प्रारंभ किया गया है।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु अमरदास बाबा जयंती एवं गुरु पूर्णिमा महापर्व

■ कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने गुरुगद्दी की पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि की कामना की

भण्डारपुरीधाम (विश्व परिवार)। पवित्र स्थल, परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की कर्मभूमि भण्डारपुरी धाम स्थित गुरुद्वारा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महापर्व, गुरु अमरदास बाबा जयंती एवं चौका मंगल भजन का भव्य आयोजन श्रद्धा, आस्था एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। यह पावन धाम छत्तीसगढ़ शासन के अनुसूचित जाति विकास,कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का गृहग्राम एवं निवास स्थान भी है। कार्यक्रम समाज के आदेशक, निर्देशक एवं मार्गदर्शक राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं, संत-महंतों एवं समाजजनों की उपस्थिति में गुरु परंपरा के प्रति अटूट आस्था एवं श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

शोक संदेश

श्रीमती माया राणा जी

रायपुर। बरडिया विहार कॉलोनी, अमलीडीह निवासी श्रीमती माया राणा जी का दिनांक 28.07.2026 को आकस्मिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार राजेन्द्र नगर स्थित श्मशान काली में हुआ। वे स्व. भरत राणा की धर्मपत्नी और श्रद्धा एवं पूजा की माता जी थी।

मुख्यमंत्री के प्रयासों व केंद्रीय रेल मंत्री के सकारात्मक सहयोग से बस्तर की रेल परियोजनाओं को मिलेगी नई गति

रायपुर (विश्व परिवार)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं, विशेषकर रावघाट-कोंडागांव-जगदलपुर रेल लाइन सहित अन्य परियोजनाओं को नई गति मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बस्तरवासियों के वर्षों पुराने सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ की लंबित रेल

परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री की पहल और केंद्रीय रेल मंत्री के सकारात्मक सहयोग से इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को नई गति प्रदान करेगी, जिससे बस्तर सहित पूरे प्रदेश के विकास को नई दिशा मिलेगी।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि रेल संपर्क मजबूत होने से बस्तर में उद्योग, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को अभूतपूर्व बल मिलेगा। जहाँ रेल लाइन का विस्तार होगा वहीँ यह विकसित बस्तर और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354